राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 01 मई 2024 वर्ष-7,अंक-97 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक का खतरा

ब्रिटिश कंपनी ने कोर्ट में माना, भारत में इसी फॉर्मूले से बनी कोवीशील्ड के 175 करोड़ डोज लगे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन से खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा बहुत रेयर (दुर्लभ) मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। ब्रिटिश मीडिया टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका पर आरोप है कि उनकी वैक्सीन से कई लोगों की मौत हो गई। वहीं कई अन्य को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट में 51 केस चल रहे हैं। पीड़ितों ने एस्ट्राजेनेका से करीब 1 हजार करोड़ का हर्जाना मांगा है। ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा किए गए दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उनकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी ब्लड क्लॉट हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है। अप्रैल 2021 में जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने यह वैक्सीन लगवाई थी। इसके बाद उनकी हालत खराब हो गई। शरीर में खून के थक्के बनने का सीधा असर उनके दिमाग पर पड़ा। इसके अलावा स्कॉट के ब्रेन में इंटर्नल ब्लीडिंग भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने उनकी पत्नी से कहा था कि वो स्कॉट को नहीं बचा पाएंगे। पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से अटैक नहीं हो सकता है। इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए कानून दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई। इन दस्तावेजों की जानकारी अब सामने आई है। हालांकि, वैक्सीन में किस चीज की वजह से यह बीमारी होती है, इसकी जानकारी फिलहाल कंपनी के पास नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा...

- नौसेना की कमान संभालने के बाद बोले एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्र में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय अभियान की दृष्टि से तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के रिटायर होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे

समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं जिनमें क्षेत्र में हूती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को हर समय तैयार रहना होगा।

अमित शाह फेक वीडियो केस

असम के बाद अब अहमदाबाद से 2 लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। अमित शाह फेक वीडियो केस में मंगलवार को गुजरात के अहमदाबाद से 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक आरोपी कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी का पीए और दूसरा एएपी कार्यकर्ता है। इस केस में सोमवार को भी असम से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। फेक वीडियो को लेकर मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस ने उनका फेक वीडियो बनाकर वायरल किया, वो जनता को

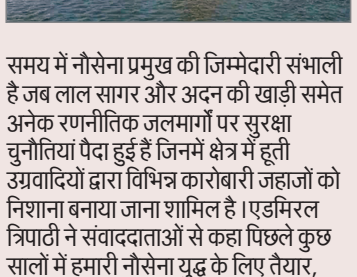

गुमराह कर रही है। शाह असम के गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने ओरिजिनल और फेक वीडियो प्ले किया। गृह मंत्री ने कहा, दूध का दूध पानी का पानी हो गया है। हमारी पार्टी एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण के समर्थन में है। इन समुदायों के आरक्षण पर अगर किसी ने डाका डाला है तो वह कांग्रेस पार्टी ने डाला है। फेक वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस में एक शिकायत भाजपा ने और दूसरी शिकायत गृह मंत्रालय ने की थी। भाजपा ने देशभर में एफआईआर दर्ज कराने का फैसला किया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी को भी पूछताछ का नोटिस भेजा है। 27 अप्रैल को यह फेक वीडियो वायरल हुआ था।

पीएम मोदी बोले-मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बिक रहे

जो भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रहे, वो यह झूठ फैला रहे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के धाराशिव में मंगलवार को पीएम मोदी ने कहा- जो विरोधी भाजपा सरकार का मुकाबला नहीं कर पा रहे, वे सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो चलाकर तकनीक का दुरुपयोग कर रहे हैं। अब उनकी हालत ऐसी है कि जब उनका झूठ काम नहीं कर रहा है, तो वे मेरे चेहरे का इस्तेमाल कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से अपनी मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बेच रहे हैं। झूठ की यह दुकान बंद होनी चाहिए। मोदी ने कहा- हमारी सरकार दुनिया भर में बाजरा को लोकप्रिय बनाने पर जोर दे रही है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि बाजरा दुनियाभर में खाने की मेज तक पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मेरे लिए राजकीय रात्रिभोज दिया था, उसके मेन्यू में

बाजरा था। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के माढा में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस का पंजा जनता का पैसा लूटता था। जिसके पास 400 सांसद थे, वो 250 लोगों को चुनाव भी नहीं लड़वा पा रही है। आपको कांग्रेस के एक्सरे से सावधान रहना है। कांग्रेस के शहजादे गली-गली घूमकर कह रहे हैं कि उनको मौका मिलेगा तो वो आपका एक्सरे निकालेंगे। आपके घर में पड़े सोने और संपत्ति का ये हिसाब लगाएंगे। इसके बाद इसे बांट देंगे। कांग्रेस वाले विरासत टैक्स की भी बात कर रहे हैं। कांग्रेस कहती है कि जो आप बचत करते हैं उस पर सरकार का भी हक होगा। ये और नक्सलवादियों की विचारधारा है।

वोट का जिहाद करो... मुस्लिमों से अपील

सलमान खुर्शीद की भतीजी ने मंच से कही बात

फर्रुखाबाद में मुस्लिमों से मारिया ने की अपील

फर्रुखाबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश की राजनीति में वोट जिहाद की एंट्री हो गई है। फर्रुखाबाद में इंडी गठबंधन की तरफ से चुनावी सभा में सीनियर कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी ने मंच से अपील करते हुए एकजुट होकर और खामोशी के साथ वोट जिहाद करने की बात कही। इसके साथ ही बीजेपी का साथ देने वाले मुस्लिमों का हुक्का-पानी बंद करने की भी अपील की। फर्रुखाबाद के मोहल्ला चिलांका में इमाम चौक के पास हुई हुई जनसभा में बोलते हुए सलमान खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम खां ने कहा,बहुत अक्लमंदी के साथ, बिना जल्दबाजी किए एकदम खामोशी से एक साथ होकर वोट का जिहाद करो। क्योंकि हम केवल वोटों का जिहाद ही कर सकते हैं। और इस संघी

सरकार को भगाने का काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे बहुत शर्म आती है कि कुछ मुसलमानों ने बैठकर मुकेश राजपूत (बीजेपी कैंडीडेट) की मीटिंग कराई।

पन्नू, सीएए, केजरीवाल...

अमेरिका के निशाने पर डोभाल समेत टीम मोदी

- चुनाव के बीच जो बाइडन की मंशा पर उठ रहे सवाल
- भारत और अमेरिका के बीच बढ़ रहा राजनयिक तनाव

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक तनाव लोकसभा चुनावों के बीच बढ़ता ही जा रहा है। सीएए, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और अब खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में अमेरिका ने नापाक चाल चली है। सीएए और केजरीवाल मामले में अमेरिका ने खुलकर बयान दिया है, वहीं पन्नू की हत्या की कथित साजिश पर अमेरिकी अधिकारी ने तत्कालीन भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के चीफ सामंत गोयल का नाम लिया है, वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर निशाना साधा है। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पन्नू का मारने का आदेश पूर्ववर्ती रॉ चीफ ने दिया था और उसे वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों की मंजूरी थी जिनके पीएम नरेंद्र मोदी के इनर सर्कल से संबंध हैं। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को भारत ने खारिज कर दिया है और गैर जिम्मेदाराना करार दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कथित रॉ एजेंट विक्रम यादव का नाम भी लिया है। विक्रम पर आरोप है कि उसने पन्नू के बारे में सारी जानकारी

किलर को दी जिसमें खालिस्तानी आतंकी का न्यूयॉर्क स्थित पता भी शामिल है। वॉशिंगटन पोस्ट को पन्नू मामले की सूचना लीक करने के बाद अब अमेरिका दावा कर रहा है कि भारत पन्नू की अमेरिका में हत्या की साजिश संबंधी आरोपों को गंभीरता से ले रहा है। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे ने सोमवार को यह बयान दिया। वॉशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका में विक्रम यादव नामक रॉ अधिकारी पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल थे और इस कदम को भारतीय जासूसी एजेंसी के तत्कालीन प्रमुख सामंत गोयल ने मंजूरी दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि से माफीनामे की ओरिजिनल कॉपी मांगी

- रामदेव-बालकृष्ण को अगली पेशी से छूट दी,आईएमए अध्यक्ष का मीडिया इंटरव्यू मंगवाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव और बालकृष्ण 23 अप्रैल को सुनवाई के दौरान चौथी बार कोर्ट के सामने पेश हुए थे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पतंजति के 2022 के एक विज्ञापन में एलोपैथी पर गलतफहमी फैलाने का आरोप लगाया था। पतंजलि विज्ञापन केस में मंगलवार को सुप्रीम

कोर्ट में करीब डेढ़ घंटे सुनवाई हुई। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच में रामदेव और बालकृष्ण पांचवीं बार पेश हुए। पतंजलि की ओर से मुकुल रोहतगी और बलबीर सिंह ने पैरवी की। उत्तराखंड सरकार की ओर से ध्रुव मेहता पेश हुए। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भी आज की सुनवाई में शामिल हुआ। सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने पतंजलि के वकील को ओरिजिनल माफीनामा (न्यूज पेपर्स की कॉपी) की जगह ई-फाइलिंग करने पर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- बहुत ज्यादा कम्युनिकेशन गैप है। कोर्ट ने इस पर ऐतराज जताया और कहा कि ये जानबूझकर किया जा रहा है। पतंजलि के वकील ज्यादा स्मार्ट हैं। पूरा न्यूज पेपर फाइल किया जाना था। कोर्ट ने पतंजलि पर समय पर कार्रवाई नहीं करने को लेकर उत्तराखंड सरकार को भी फटकारा। साथ ही आईएमए प्रमुख के एक दिन पहले दिए इंटरव्यू को रिकॉर्ड में लेने को कहा। कोर्ट ने पतंजलि को इजाजत दी कि वो अपने माफीनामे वाले विज्ञापन का अखबार पेश कर सके। ई-फाइलिंग और कटिंग्स की इजाजत नहीं दी गई। अगली सुनवाई के लिए बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सुनावाई के दौरान मौजूद रहने से छूट दे दी गई।

अब छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मारे गए 9 नक्सली

- इनमें 3 महिलाएं भी शामिल,हथियार और विस्फोटक बरामद

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में मंगलवार सुबह डीआरजी और बीएसएफ के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में 9 नक्सली मारे गए। इनमें 3 महिला माओवादी हैं। इन सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। घटनास्थल से एक एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ के बाद सर्चिंग की जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के टेकामेटा इलाके में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इस सूचना के आधार पर सोमवार देर रात जवान सर्चिंग पर निकल गए थे। जवान मंगलवार की सुबह जब इस इलाके में पहुंचे तो यहां नक्सलियों ने उन्हें देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए। पुलिस मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त की कोशिश कर रही है। सूत्रों के मताबिक यहां पर माओवादियों के बड़े कैडर्स मौजूद थे।

राहुल बोले-महालक्ष्मी योजना में हर महीने 8500 मिलेंगे

हम महिलाओं को लखपति बनाएंगे,6 महीने में 30 लाख सरकारी पद भरेंगे

भिंड (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भिंड में कहा, मोदी जी अरबपतियों को पैसा देते हैं तो कहते हैं विकास हो रहा है। जितना उन्होंने 10 साल में उनको दिया, हम आपको देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना के तहत देशभर की गरीब महिलाओं को लखपति बनाएंगे। हर महीने उनके खाते में 8500 रुपए डाले जाएंगे। 6 महीने में 30 लाख सरकारी पद भरे जाएंगे। राहुल गांधी ने भिंड-दतिया लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह बरैया के पक्ष में एमजेएस मैदान पर चुनावी सभा की। राहुल ने हाथ में संविधान लेकर कहा- ये मामूली किताब नहीं है। आजादी के पास किसानों, गरीबों, मजदूरों, पिछड़ों, आदिवासियों को जो भी कुछ मिला है इस किताब के कारण मिला है। अब पीएम ने अमित शाह ने और उनके सांसदों ने मन बना लिया है कि वो चुनाव जीतेंगे तो इस किताब को फाड़कर फेंक देंगे। 30

सरकारी लाख पद खाली पड़े हैं। हम 6 महीने में आपके हवाले कर देंगे। सेना में युवा जाते हैं। सबसे ज्यादा भिंड से। मोदी जी ने दो तरह के जवान बना दिए। एक को कैंटीन और अच्छी सैलरी मिलेगी। दूसरा जिसे ये नहीं मिलेंगे। एक को जवान दूसरे को अग्निवीर कहते हैं। आप सोचिए दो लोगों को युद्ध में भेज रहे हो, एक से कह रहे हो आपको कुछ हुआ तो हम आपके परिवार की रक्षा करेंगे।

- अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल के खिलाफ बड़ा ऐक्शन

जेडीएस की कोर कमेटी ने एसआईटी जांच तक पार्टी से किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में राजनीतिक भूचाल आया हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना की अश्लील वीडियो क्लिप्स वायरल हुई हैं। इसके बाद उनके निलंबन की मांग चल रही थी। अब जेडीएस ने उन्हें एसआईटी जांच पूरी होने तक के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। जेडीएस की कोर कमेटी की बैठक में ये फैसला हुआ है। जेडीएस की कोर कमेटी की बैठक में शामिल सदस्य जीटी देवेगौड़ा ने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में एसआईटी का गठन किया है और हम इसका स्वागत करते हैं। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा, जांच होने तक हम इस मामले में कोई बयान नहीं देंगे और हम पूरा सहयोग करेंगे। सांसद प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से सस्पेंड करने के संबंध में पूर्व पीएम देवेगौड़ा को सुझाव दिए गए थे और अब फैसला लिया गया है कि एसआईटी की जांच रिपोर्ट आने तक रेवन्ना को सस्पेंड किया जाता है। बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना के एक या दो वीडियो सामने नहीं आए हैं बल्कि सैकड़ों वीडियो सामने आए हैं। रेवन्ना के घर में काम करने वाली मेड ने पहले शिकायत की।

आखिर कब तक मजबूर रहेगा मजदूर

मजदूर दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

श्रमिक अपना श्रम बेचकर न्यूनतम वेतन प्राप्त करता है। यही कारण है कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसलिए यह दिन अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए है। इस प्रकार, यह समाज में उनके योगदान की सराहना करने और उसे पहचानने का एक विशेष दिन हैं। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2024 की थीम है सामाजिक न्याय और सभी के लिए सभ्य कार्य। इसके अलावा भी कई बिंदुओं को रखा गया है। इस थीम का उद्देश है मजदूरों की गरिमा का ख्याल रखना और उन्हें शांतिपूर्ण कामकाजी वातावरण प्रदान करना।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।

गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने ह्यकाम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध

निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताड़ित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनाये।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

दोहराइए आरक्षण रहेगा

आरक्षण एक बार फिर चुनाव मैदान में है। अंतर केवल इतना है कि अबकी इसे लालू प्रसाद ने नहीं, कांग्रेस ने लाया है। इसके नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को आरक्षण मिटाने वाला गैंग कह रहे हैं। इससे भाजपा आत्मरक्षात्मक मुद्रा में आ गई है। उसे 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में मिली चोट ताजा हो गई है। तब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव-बीच आरक्षण की समीक्षा की बात कर चौंका दिया था। यद्यपि संविधान में इसका जिक्र है कि 15 साल बाद इसकी समीक्षा की जाएगी और उस आधार पर हटाया भी जा सकता है, लेकिन संसद सर्वसम्मत से इसे आगे बढ़ाती रही है। यह मान लिया गया है कि भारतीय समाज इस उन्नत दशा में नहीं पहुंचा है कि आरक्षण की समीक्षा की जाए। इसे ध्यान में रखकर ही भागवत के बयान पर सफाई दी गई और दिलाई भी गई। पर राजद नेता लालू प्रसाद ने बड़ी कुशलता से मतदाताओं का रुख बदल दिया था। भाजपा बिहार में कमांडर होते-होते रह गई थी। इस बार भी कांग्रेस के प्रचार से ऐसे परिणाम के आसार नजर आ रहे हैं। जब 2024 के चुनाव में, नरेन्द्र मोदी की भाजपा ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया तो विपक्ष ने, इतनी सीटों को संविधान बदलने, लोकतंत्र नष्ट करने के उसकी 'हवस' से जोड़ दिया। इसमें भाजपा के कुछेक अदूरदर्शी नेताओं के बयान-भाषणों ने भी कांग्रेस का साथ दिया। आरक्षण पर आरएसएस का शुरू से ही एक रिजर्वेशन रहा है। इसलिए जब भी ऐसी चर्चा होती है, संघ के स्थापना काल का नजरिया सामने आ जाता है। भागवत इससे इनकार करते हैं। यह सच है कि मोदी का मौजूदा मंत्रिमंडल आरक्षण के व्यवहारतः निर्वाह का सुंदर प्रमाण है। यह स्वतंत्र भारत का ऐसा पहला मंत्रिमंडल है। खुद मोदी ओबीसी हैं। फिर भारतीय राजनीतिक चेतना के मौजूदा स्तर को देखते हुए संविधान, चुनाव या लोकतंत्र तथा आरक्षण को खारिज करने की किसी दल की हिमाकत, उसकी सियासी खुदकुशी होगी। इसके लिए कौन दल तैयार होगा? आरक्षण, संविधान और लोकतंत्र सब रहेगा। यह बिल्कुल प्रचार के लिए प्रचार की बात है। इसमें वह कांग्रेस अपरहैंड है। भाजपा सफाई तो दे रही है पर इसका प्रतिकारी विमर्श कम बना रही है। कांग्रेस के मैनिफेस्टो, उसके विज्ञापन एवं उसके नेताओं के मुद्दे भाजपा के लिए एक छटपटाहट पैदा करते हैं। एक दशक धुआंधार कार्यक्रम चलाने वाली सत्ताधारी पार्टी के पास विपक्ष को घेरने के मुद्दे में टटकापन नहीं है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

सोशल मीडिया पर आए दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रूम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्स ऐप या इसी तरह के किसी दूसरे ऐप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वो ही आएगा जो अधिक ग्लैमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चैटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे।

इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों-बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही है वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशियल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बैन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, ऐप आदि पर रोक लगाने के लाख दावे किए जाते हों पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करे, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक-दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशियल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चे को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टैबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सैल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक-दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चे, गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सैल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेश लड़कों और लड़कियों दोनों में ही समान रूप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किए गए एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दोराय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्ट फोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टैब, कम्प्यूटर, सोशियल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चे को भी यह जानकारियां होने लगी हैं। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है। आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशियल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशियल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीड़ी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाए तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के

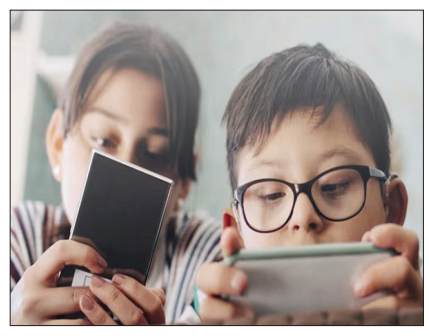

लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफैक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चे को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दोचार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना-बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा-मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना-खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही हैं। ऐसे में मोबाइल या सोशियल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रेडिमेड खाना : गुणवत्ता की गारंटी भी जरूरी

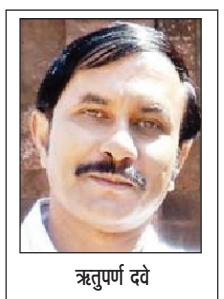

ऋतुपर्ण दवे

यूं तो सोशल मीडिया पर सचेत करते हुए कई वीडियो और दावे सामने आते रहते हैं, लेकिन कितने सच होते हैं, यह सामान्यतया कोई भी नहीं कह सकता। हालांकि कभी-कभी कोई ऐसा वीडियो सामने आ जाता है जो विचलित कर देता है और अक्सर लोग सच्चाई जाने बिना ही भरोसा कर बैठते हैं। ऐसा ही एक वीडियो बीते दिनों बहुत तेजी से वायरल हुआ जिसमें हरी टी शर्ट पहना एक छोटा बच्चा जो कि किसी मेले में दिख रहा है। एक दूकानदार से गिलास में कुछ लेता है जिसमें बहुत तेज सफेद और गाढ़ा धुआं निकलता है। बच्चा उसे पीता है और तुरंत पेट पकड़कर चीखने-चिल्लाने लगता है। बच्चे को तुरंत चिकित्सकीय मदद पहुंचाई गई। बहरहाल, वीडियो की सत्यता=असत्यता से परे हटकर सोचें तो अगर वाकई में ऐसा है तो हम सभी को गंभीरता से इस बारे में सोचने की जरूरत है।

वीडियो में दिख भी रहा है कि उस पर स्मोक बिस्किट लिखा है। आजकल ऐसे पदार्थ खाने को सजावटी आकार देने के साथ बच्चों में आकर्षण बढ़ाने के लिए बनाना आम हो गया है, जिनमें ड्राई आइस या लिक्विड नाइट्रोजन का अनुपातहीन उपयोग आम सा हो गया है। भारत में इसका तेजी से पार्टियों या पिकनिक, मेलों में चलन बढ़ रहा है। वास्तविकता यह है कि बच्चा दावणगेरे में परिजनों के साथ एक प्रदर्शनी में गया था और उसने वहां पर एक स्टॉल से स्मोक बिस्किट लिया और उपयोग करते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। सुकून की बात है कि वीडियो के जरिए फैलाई जा रही मौत की बातें अफवाह निकली, लेकिन इस वीडियो ने कई सवाल जरूर पैदा कर दिए। क्या आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट, पकौड़े, आईसक्रीम या ठण्डाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत है? और क्या भारत में कहीं भी कोई अपनी मनमर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतिबंधित, घातक या अनुपातहीनमात्रा में मसाले, रसायन खाने में उपयोग कर सकते हैं? इस पर लोग कितना जागरूक हैं? स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह ऐसी चीजों के इस्तेमाल का क्या कोई तय पैमाना है और है तो इसका कैसे हो? सबको पता है कि पूरे देश में चाहे गांव, कस्बा, महानगर हर कहीं बाजार में तैयार खाने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। देश में रेस्टॉरेन्ट, होटल और ढाबों में लोगों के शौकिया आना-जाना भी खूब बढ़ा है।

आउटिंग या बाहर खाने के चलन ने ऑनलाइन फुड को एक नई इंडस्ट्री की शक्ल दे दी, लेकिन सवाल यही कि आखिर बाजार में बिकने वाला रेडीमेड खाना स्वास्थ्य के लिहाज कितना मुफीद है? क्या इस तरह के खाना बनाने वाले ठिकानों और सप्लाई के लिए पहुंचाने के दौरान बनाने और खाने वालों के बीच खाने की गुणवत्ता में बदलाव या स्तरहीनता को परखने का कोई तंत्र है? शायद नहीं और हो भी तो लोगों ने कभी बीच सड़क खाने की जांच होते या सैम्पलिंग देखी नहीं। ऐसे सवाल उठने वाजिब हैं। सड़कों के किनारे ढाबे हों या बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। कभी यहां नियमित जांच होती हैं या हुई लोगों को ध्यान नहीं आता। निश्चित रूप से ऐसी निगरानी उस क्षेत्र के जिला प्रशासन के अधीन होती हैं, लेकिन सवाल वही कि इस पर अमल कैसा होता है? जिस तेजी से बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है और तैयार खाने का ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है जो उद्योग की शक्ल अख्तियार कर रहा है।

तमाम तरह के टैक्स के दायरे में भी आता है परन्तु गुणवत्ता को लेकर किस तरह के निर्देश हैं या अमल करना है इस पर आम लोगों को कुछ पता नहीं होता। समय के साथ अब इस बात पर भी सख्त कानून बने और पालन में भी कठोरता की जाए ताकि रेडीमेड फूड उद्योग भी एक पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए। बना बनाया या बनाकर खाने के बेचने या पैक कर घर-घर पहुंचाने का रिटेल या थोक कारोबार हो या स्ट्रीट वेन्डर से लेकर पांच सितारा होटलें इनकी गुणवत्ता की जांच के लिए हर कहीं सूचना पटल हों। महानगरों, शहरों और दूकानों में बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर या पोस्टर अनिवार्य हों, जिनसे लोगों की इस बारे में जागरूकता बढ़े। हर दुकानदार, खाने की सामग्री बेचने वाले ठिकानों पर उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजेंसी की जानकारी तथा संपर्क

सूची भी लगाई जाए जहां पर गुणवत्ता में दोष की शिकायत की जा सके।

इतना ही नहीं विशेष परिस्थितियों में खाने के सैंपल को जांचने के लिए स्थानीय सरकारी विभाग भी तत्पर रहे। अब तक ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में ही अपराध के बावजूद अनदेखे रह जाते हैं। खाने में कीड़े, कॉकरोच मिलने या खाकर बीमार पड़ने की शिकायतें तो सामने आती हैं, लेकिन कभी कोई कार्रवाई हुई हो ज्यादातर पता नहीं चल पाता। जिस तेजी से बने बनाए खाने के चलन के साथ बाहर खाने का रिवाज बढ़ रहा है उससे इस कारोबार पर भी बहुत कड़ी निगाह रखे जाने की जाने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे कानून की जरूरत है जो देशव्यापी हो और सबको पता हो ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले बढ़ने से पहले ही नियंतग्रमें रहें और जनस्वास्थ्य को बड़ी चुनौती का बेखौफ रिवाज जैसा चलन भी न पनप पाए।

ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने दिया इस्तीफा

- 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की हो सकती है छंटनी

नई दिल्ली । ऑनलाइन कैब बुकिंग उपलब्ध कराने वाली कंपनी ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने नियुक्ति के चार महीने के भीतर ही इस्तीफा दे दिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि कंपनी 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। एक सूत्र ने कहा कि हेमंत बख्शी ने तत्काल प्रभाव से कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। ओला कैब्स इकाई 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। बख्शी जनवरी, 2024 में कंपनी में शामिल हुए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि कंपनी के ओला कैब्स डिवीजन में जनवरी में करीब 900 लोग थे और छंटनी से 90-140 लोग प्रभावित हो सकते हैं। संपर्क करने पर ओला ने इस सूचना पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ओला मोबिलिटी ने वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा कम होकर 1,082.56 करोड़ रुपये होने की सूचना दी थी। वित्त वर्ष 2021-22 में उसे 3,082.42 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ओला मोबिलिटी की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज का कुल संचित घाटा समूह स्तर पर बढ़कर 20,223.45 करोड़ रुपये पहुंच गया और एकल आधार पर यह 31 मार्च, 2023 तक 19,649.27 करोड़ रुपये रहा। जनवरी 2024 तक कंपनी को कुल 31,441 करोड़ रुपये का वित्त पोषण प्राप्त हुआ है।

टीईसी का भारत में राजस्व 2023 में बढ़कर 475 करोड़

नई दिल्ली । हांगकांग स्थित सह-कार्यकारी कंपनी द एक्जीक्यूटिव सेंटर (टीईसी) का पिछले वित्त वर्ष में भारत में राजस्व 31 प्रतिशत बढ़कर 475 करोड़ रुपये रहा। टीईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2023 में भारत के कारोबार से हमारा राजस्व 475 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि है। भारत के कारोबार से कर पूर्व आय 2023 में करीब 35 प्रतिशत बढ़कर 159 करोड़ रुपये रही। भारतीय बाजार ने वैश्विक राजस्व में करीब 18 प्रतिशत और वैश्विक समायोजित कर पूर्व आय में 26 प्रतिशत का योगदान दिया। टीईसी अग्रणी प्रीमियम कार्यस्थल प्रदाताओं में से एक है। यह 15 देशों में उपस्थित है। इसके भारत में 40 सह-कार्य केंद्र हैं, जिनमें करीब 13,000 कार्यस्थल और 12 लाख वर्ग फुट क्षेत्र शामिल हैं।टीईसी इंडिया सात प्रमुख शहरों दिल्ली, गुरुग्राम, बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई में उपस्थित है।

जेएनके इंडिया के शेयर 50 प्रतिशत बढ़कर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली । हीटिंग उपकरण बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया के शेयर अपने निर्गम मूल्य 415 रुपये से करीब 50 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 49.39 प्रतिशत चढ़कर 620 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में यह 71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 709.85 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 49.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 621 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,732.16 करोड़ रुपये रहा। जेएनके इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 28.07 गुना अभिदान मिला। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के ताजा निर्गम के अलावा प्रवर्तक तथा एक मौजूदा शेयरधारक की 84,21,052 इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल थी। आईपीओ का मूल्य दायरा 395-415 रुपये प्रति शेयर था।आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।जेएनके इंडिया थर्मल डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, स्थापना और हीटिंग उपकरणों के कारोबार में है।

स्ट्रेटेजिक-क्रिटिकल मिनरल्स एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की बढ़ेगी भागीदारी

जयपुर ।

स्ट्रेटेजिक और क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के लिए निजी क्षेत्र की भी सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जाएगी। भारत सरकार के माइंस मंत्रालय द्वारा इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक प्रावधान संभावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए नए प्रावधानों के बाद प्रदेश के दो आरईई और एक पोटाश के ब्लॉकों के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नए सिरे से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल व अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों व उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिए प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है।

इससे इस तरह के मिनरल्स के खोज कार्य में सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्र के प्लेयर्स आगे आयेंगे और सरकार द्वारा प्रोत्साहन सहयोग से एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता भी आएगी।

देश में रेयर अर्थ एलिमेंट्स, पोटाश, लिथियम, टंगस्टन, केडमियम, कोबाल्ट, कॉपर, ग्रेफाइट, टिटेनियम, बेरेलियम, सिल्वर, जिंक, गोल्ड, लेड जैसे 29 तरह के क्रिटिकल, स्ट्रेटेजिक व अन्य मिनरल्स की देश दुनिया में काफी मांग होने के साथ ही अत्यधिक श्रमव समय साध्य होने व सरकारी प्रक्रिया की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने पहला निर्णय इन मिनरल्स के वैज्ञानिक व वैश्विक स्तरीय एक्सप्लोरेशन के लिए ईएल यानी की एक्सप्लोरेशन लाइसेंस की ई नीलामी का निर्णय किया गया।

पहले चरण में राजस्थान सहित कुछ प्रदेशों द्वारा ईएल नीलामी प्रक्रिया आरंभ की गई। अब केन्द्र सरकार एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का निर्णय करने जा रही है।

आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को सीएफओ नियुक्त किया

नई दिल्ली । आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने कहा कि वह एक मई 2024 से कार्यभार संभालेंगे। अपनी नई भूमिका में वह भारत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका क्षेत्र में वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ाने और परिचालन दक्षता को सक्षम करने के लिए कार्यकारी दल के साथ मिलकर काम करेंगे। आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रमोद सागर ने कहा कि हम अजीम का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी के रूप में हमारे नेतृत्व दल में स्वागत करते हैं, उनका विशाल अनुभव तथा विशेषज्ञता हमारी वित्तीय रणनीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। क्षेत्र में बाजार अग्रणी के रूप में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगी। विएना स्थित आरएचआई मैगनेसिटा की अनुषंगी कंपनी आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड इस्पात, सीमेंट, अलौह धातुओं और कांच सहित प्रमुख उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उच्च श्रेणी के रिफ्रैक्टरी उत्पादों की आपूर्तिकर्ता है।

स्मॉलकैप में 5 महीने में सबसे ज्यादा तेजी

- बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

निफ्टी स्मॉलकैप 100 लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त पर रहा और इस महीने इसमें 11.4 फीसदी की तेजी आ चुकी है। नवंबर 2023 के बाद सूचकांक में एक महीने में यह सबसे बड़ी तेजी देखी गई है। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक भी लगातार छह सत्रों में तेजी के साथ अप्रैल में करीब 6 फीसदी बढ़त में रहा। दिसंबर के बाद मिडकैप सूचकांक का किसी भी महीने में यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। मूल्यांकन ज्यादा होने की फिक्र और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की बुलबुले बनने की चेतावनी आने पर मार्च में दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आई थी। मगर इसके बाद दोनों सूचकांकों ने अपने नुकसान से ज्यादा की भरपाई की है। स्मॉलकैप 100 सूचकांक मार्च के निचले स्तर से 20 फीसदी चढ़ा है और निफ्टी मिडकैप 100 में 12 फीसदी की तेजी आई है। स्मॉल और मिडकैप सूचकांक में तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 406.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। साल की शुरुआत में बाजार पूंजीकरण 364 करोड़ रुपये था। इस महीने दोनों सूचकांकों ने सेंसेक्स और निफ्टी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। सेंसेक्स और निफ्टी में इस महीने 1.4 फीसदी तेजी आई है। आईसीआईसीआई बैंक का तिमाही मुनाफा उम्मीद से बेहतर रहने से बेंचमार्क सूचकांकों का प्रदर्शन मंगलवार को बेहतर रहा है और इनमें 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 4 फीसदी से ज्यादा बढ़कर नई ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक और ऐक्सिस बैंक के शेयर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बैंकिंग शेयरों में तेजी से बैंक निफ्टी सूचकांक 2.5 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। बाजार के भागीदारों ने कहा कि खुदरा निवेशकों और देसी संस्थागत निवेशकों के दम पर स्मॉल और मिडकैप में तेजी आई है वहीं अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के दबाव के कारण लार्जकैप का प्रदर्शन कमजोर रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने से आई है। आईटी और पावर शेयरों के खराब प्रदर्शन से भी बाजार नीचे आया। सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई पर अंतिम घंटे में मुनाफावसूली होने से बाजार टूट गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 188.50 अंक करीब 0.25 फीसदी नीचे आकर 74,482.78 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 440.11 अंक बढ़कर 75,111.39 पर पहुंच गया था। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 38.55 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी नीचे आकर 22,604.85 पर बंद हुआ हालांकि कारोबार के दौरान बेंचमार्क 139.95 अंक ऊपर आकर 22,783.35 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और मारुति प्रमुख रूप से बढ़े।

इससे पहले आज सुबह के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.17 फीसदी बढ़कर 74,800.89 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं एनएसई निफ्टी 50 0.13 फीसदी बढ़कर 22,672.70 के स्तर पर आ गया। व्यक्तिगत शेयरों में, एमएंडएम बीएसई और एनएसई दोनों पर शीर्ष पर है। व्यापक बाजारों में निफ्टी स्मॉलकैप और मिडकैप क्रमशः 0.38 और 0.34 फीसदी में तेजी देखी गई।

एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का सियोल, टोक्यो और हांगकांग में तेजी रही जबकि चीन के शंघाई कम्पोज़िट में गिरावट रही। जापानी बैंकों के हस्तक्षेप की अटकलों के कारण जापान का येन रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर से नीचे गिरा। यूरोपीय बाज़ार ज़्यादातर नीचे आये जबकि अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में भी बढ़त रही। हैंग सेंग और कोस्पी में 0.6 फीसदी तक की तेजी आई। स्ट्रेट्स टाइम्स और ताइवान सपाट कारोबार करते दिखे।

इस बीच, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड या कच्चा तेल की कीमत 0.21 फीसदी ऊपर आकर 88.59 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं। पिछले कारोबारी सत्र में बीएसई बेंचमार्क 941.12 अंक करीब 1.28 फीसदी उछलकर 74,671.28 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 223.45 अंक या 1 फीसदी बढ़कर 22,643.40 पर पहुंच गया। बुधवार को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर घरेलू बाजार बंद रहेंगे।

देश में सोने की मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन पहुंची

- एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी

नई दिल्ली ।

भारत की सोने की मांग कीमतों के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक माहौल की वजह से जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन हो गई। विश्व स्वर्ण परिषद ने यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सोने की खरीद से भी मांग में वृद्धि हुई। इस वर्ष जनवरी-मार्च में मूल्य के संदर्भ में भारत की सोने की मांग वार्षिक आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 75,470 करोड़ रुपये हो गई। इसका कारण मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ तिमाही औसत कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि भी है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वैश्विक रिपोर्ट गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स क्यू1 2024 जारी की। इसके अनुसार, भारत की कुल सोने की मांग, जिसमें आभूषण तथा निवेश दोनों शामिल हैं। इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 136.6 टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी।

भारत में सोने की कुल मांग में से आभूषणों की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 95.5 टन हो गई। कुल निवेश मांग 19 प्रतिशत बढ़कर 41.1 टन हो गई। डब्ल्यूजीसी के भारत में एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सोने की मांग में वृद्धि भारतीयों के सोने के साथ स्थायी रिश्ते की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक परिवेश सोने के आभूषणों की खपत के लिए सहायक रहा, हालांकि मार्च में कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गईं। इससे तिमाही समाप्त होने पर बिक्री कम हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वर्ष भारत में सोने की मांग 700-800 टन के आसपास रहेगी।

विप्रो के नए सीईओ का सालाना पैकेज 58,41,67,500 रुपए

नई दिल्ली । श्रीनि पलिया विप्रो कंपनी के नए सीईओ बन गए हैं जिसकी जानकारी कंपनी ने दी है। विप्रो कंपनी के नए सीईओ को कुल सात मिलियन डॉलर बतौर वेतन दिए जाने की घोषणा की गई है। ये राशि भारतीय रुपए में 58,41,67,500 रुपये सालाना होती है, जो 58.5 करोड़ रुपये है। श्रीनि पलिया को सीईओ और एमडी थिएरी डेलापोर्टे से इस्तीफा देने को कहा गया था। इसके बाद उन्हें विप्रो की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वर्ष अप्रैल महीने में ही उन्हें ये पद सौंपा गया है। इसके बाद उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इतनी अधिक सैलरी पाने वाले श्रीनि पलिया दुनिया के कुछ चुनिंदा अधिकारियों की सूची में शामिल हो गए है।श्रीनि पलिया तीन दशक से अधिक समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने विप्रो में भी कई जिम्मेदारियों को निभाया है। अमेरिकाज 1 यूनिट के सीईओ बनने से पहले ही वो विप्रो में भी पदभार संभाल चुके है। उनके पास कंज्युमर बिजनेस यूनिट की जिम्मेदारी थी। विप्रो की कंज्यूमर बिजनेस यूनिट का अध्यक्ष रह चुके है। वो बिजनेस एप्लिकेशन सर्विसेज के ग्लोबल हेड की जिम्मेदारी निभा चुके है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भी विप्रो के संबंध में जानकारी दी गई है कि बीते 32 वर्षों से कंपनी में काम कर रहे श्रीनि पलिया अब आगामी पांच वर्षों के लिए नई भूमिका में दिखाई देंगे। आगामी पांच वर्षों तक वो विप्रो के सीईओ बने रहेंगे।

हुंडई, किआ ने चीनी कंपनी बायदू से किया करार

सोल।

दक्षिण कोरिया की शीर्ष कार निर्माता कंपनी हुंडई मौटर और इसकी अनुषंगी कंपनी किआ ने बताया कि उन्होंने कनेक्टेड कारों के लिए टेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए चीन की दिग्गज टेक कंपनी बायदू के साथ करार किया है। दोनों दक्षिण कोरियाई कार निर्माता और बायदू ने पिछले सप्ताह बीजिंग में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जिसके तहत वे कनेक्टिविटी और सेल्फ-ड्राइविंग प्रौद्योगिकियों सहित कई क्षेत्रों में हाथ मिलाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हुंडई और किआ बीजिंग के बढ़ते डेटा नियमों के अनुपालन के लिए बायदू की स्मार्ट क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी का भी उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई कंपनियां चीनी कंपनी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके नए बिजनेस मॉडल भी तलाशेंगी। हुंडई और किआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बायदू के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से, हम चीनी बाजार में कनेक्टेड कारों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने का प्रयास करेंगे। यह समझौता चीन में कनेक्टेड कारों के बढ़ते बाजार की पृष्ठभूमि में हुआ है। हुंडई ने चीनी डेटा का हवाला देते हुए कहा कि चीन में कनेक्टेड कारों की वार्षिक बिक्री इस साल 1.7 करोड़ इकाई तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2019 में 72 लाख इकाई के मुकाबले में तेज वृद्धि है। हुंडई और किआ 2014 से बायदू के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिसमें आवाज को पहचानने की प्रौद्योगिकी का विकास भी शामिल है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का मुनाफा 10 गुना बढ़ा

सियोल ।

जनवरी-मार्च तिमाही में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचालन लाभ 10 गुना होकर 6600 अरब वॉन (4.8 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। यह पिछले साल की समान अवधि में 640 अरब वॉन (46.5 करोड़ डॉलर) था। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और प्रमुख गैलेक्सी एस24 स्मार्टफोन की मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का राजस्व करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 71900 अरब वॉन (52 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। एआई चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए सैमसंग ने कहा कि उसने इस महीने अपने नवीनतम एचबीएम चिप का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है। दूसरी तिमाही में चिप के 12-लेयर संस्करण का उत्पादन शुरू करने की योजना है। सैमसंग ने एक बयान में कहा कि 2024 की दूसरी छमाही में व्यापक आर्थिक रुझानों और भू-राजनीतिक मुद्दों से संबंधित निरंतर अस्थिरता के बावजूद, मुख्य रूप से जनरेटिव एआई से जुड़ी मांग के साथ कारोबारी स्थितियां सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

पतंजलि के 14 उत्पादों के लायसेंस निलंबित

देहरादून ।

उत्तराखंड औषधि विभाग के लाइसेंस प्राधिकरण ने पंतजलि के 14 उत्पादों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से बकायदा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर इसकी सूचना दी गई। इस हलफनामे में साफ लिखा है कि दिव्य फार्मेसी द्वारा अब भी इन उत्पादों को लेकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में भी भ्रामक विज्ञापन दिए जा रहे हैं। यह आदेश इस महीने की शुरुआत में औषधि एवं जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के उल्लंघन में कंपनी के इन उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जारी किया गया है।

इस आदेश में कंपनी को कहा गया है कि औषधि निरीक्षक/जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हरिद्वार द्वारा अवगत कराया गया है कि संबंधित फर्म द्वारा वांछित सूचना अंतिम तिथि तक उपलब्ध नहीं कराई गई तथा फर्म द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण भी संतोषजनक नहीं है। लिहाजा इन औषधियों के निर्माणाज्ञा को ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट 1945 की धारा 159 (1) के प्राविधानुसार तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। दिव्य फॉर्मेसी को आदेश दिए गए हैं कि इन सभी उत्पादों के निर्माण को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाए और योगों की मूल फॉर्मेशन शीट प्राधिकरण के समक्ष जमा कराई जाए।

जिन 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं उनके नाम इस प्रकार हैं- श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, ब्रोंकोम, श्वासारि प्रवाही, श्वासारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर, लिवामृत एडवांस, लिवोग्रिट, आईग्रिट गोल्ड और पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप इत्यादि।

ए सीरीज़ के नए फोन ओप्पो ए60 लॉन्च

-नए फोन की फटाक से फुल होगी चार्जिंग

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी ने अपने नए फोन ओप्पो ए60 को लॉन्च कर दिया है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एलसीडी स्क्रीन मिलती है। ओप्पो ने अपनी ए सीरीज़ के तहत इस फोन को लांच किया है। ये फोन क्वालकॉम के स्नैपड्रेगन 680 चिप से लैस है। इसके अलावा इसमें 8जीबी रैम और 256जीबी तक की स्टोरेज भी मिलती है। पावर के लिए इस फोन काफी दमदार बैटरी और खास कैमरा दिया जाता है। डुअल-सिम (नैनो) वाला ओप्पो ए66 एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड कलर ओएस 14.0.1 पर काम करता है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एचडी+ एलसीडी डस्प्ले मिलता है, और ये 720गुणा 1,604 पिक्सल रेजोलूशन के साथ आता है। ये ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 680 चिप पर काम करता है, जिसे 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ जोड़ा गया है। कैमरे के तौर पर नए ओप्पो ए60 में एफ/1.8 अपर्चर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमेरी कैमरा मिलता है। इसमें एफ/2.4 अपर्चर वाला एक 2-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा भी शामिल है जिसका इस्तेमाल गहराई से जानकारी इकट्ठा करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा फोन के फ्रंट की बात करें तो इसमें सामने की तरफ 8-मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलता है। कंपनी ने इस हैंडसेट को 256जीबी तक यूएफएफएस 2.2 स्टोरेज से लैस किया है। पावर के लिए ओप्पो ए60 में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे 45वॉट पर चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि ओप्पो ए60 को फिलहाल वियतनाम में लॉन्च किया गया है। इसके 8जीबी+128जीबी रैम और स्टोरेज मॉडल की कीमत वीएनडी 5,490,000 (लगभग 18,060 रुपये) है, जबकि 8जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत वीएनडी 6,490,000 (लगभग 21,360 रुपये) रखी गई है। फोन को मिडनाइट पर्पल और रिपल ब्लू कलर में पेश किया जाएगा।इसमें बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मिलता है। कनेक्टिविटी के लिए ओप्पो के नए फोन में 4जी एलटीई, वायफाय, ब्लूटूथ 5.0, एनएफसी, जीपीएस, ए-जीपीएस, एक यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और एक 3.5 एमएम ऑडियो जैक मिलता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे रोहित, पांड्या होंगे उपकप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने एक जून से वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए की 15 सदस्यीय घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा टीम की अगुवाई करते हुए नजर आएंगे जबकि हार्दिक पांड्या को उप-कप्तान बनाया गया है। भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद 09 जून 2024 को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा।

टीम में विराट कोहली के साथ यशस्वी जायसवाल को जगह मिली है। सूर्यकुमार यादव की भी टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ ही विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन दोनों को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर के रूप में शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल नजर आएंगे।

गेंदबाजों में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की जोड़ी एक बार फिर मैदान पर दिखाई देगी जबकि प्रभावी अर्शधीप सिंह को मौका दिया गया है। तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज भी नजर आएंगे। टीम में मोहम्मद शमी को जगह नहीं मिली है क्योंकि वह रिकवरी पर हैं। इसके अलावा शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रिजर्व के तौर पर रखा गया है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व : शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान

टी20 विश्व कप 2024 में भारत का शेड्यूल

05 जून : भारत बनाम आयरलैंड, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

09 जून : भारत बनाम पाकिस्तान, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

12 जून : यूएसए बनाम भारत, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

15 जून : भारत बनाम कनाडा, सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क एंड ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल

मैड्रिड ओपन : नडाल ने कड़े मुकाबले में केचिन को हराया, स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मैड्रिड (एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने सोमवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में तीन घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में पेड्रो केचिन को तीन सेट में शिकस्त दी। नडाल ने दुनिया के 91वें नंबर के खिलाड़ी केचिन को पुरुष एकल मुकाबले में 6-1, 6-7, 6-3 से हराया। पांच बार के चैंपियन नडाल ने इस जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नडाल अगले दौर में 31वें नंबर के खिलाड़ी जिरी लेहेका से भिड़ेंगे। शीर्ष वरीय यानिक सिनर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखाने के बावजूद पावेल कोतोव को 6-2, 7-5 से हराने में सफल रहे। वह प्री क्वार्टर फाइनल में 16वें वरीय कारेन खचानोव से भिड़ेंगे। तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव हार से सिर्फ दो अंक दूर थे लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए सबेस्टियन कोर्डा को 5-7, 7-6, 6-3 से हरा दिया जबकि पांचवें वरीय कास्पर रूड ने कैमरन नोरी को 6-2, 6-4 से हराया। महिला एकल में मेडिसन कीज ने कोको गॉफ को 7-6, 4-6, 6-4 से हराकर क्वार्ट फाइनल में प्रवेश किया। वह अगले दौर में ओन्स जेब्युर से भिड़ेंगी जिन्होंने येलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सारा सोरिबेस टोर्मो को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराकर मैड्रिड में पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। अगले दौर में स्वियातेक की भिड़ंत 11वीं वरीय बीट्रिज हदाद माइया से होगी जिन्होंने पांचवीं वरीय मारिया सकारी को 6-4, 6-4 से हराया।

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, आर्चर की वापसी, दो नए चहेरे भी शामिल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने जून में वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी शामिल किया गया है।

आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट से उबरने के बाद एक साल में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। 2021 के बाद से उन्हें कई चोटों का सामना करना पड़ा है, जिसमें तनाव फ्रैक्चर और बार-बार कोहनी की समस्याओं से लेकर सर्जरी से गुजरना शामिल है। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी उपस्थिति एक साल पहले मार्च 2023 में इंग्लैंड के बांग्लादेश दौरे पर हुई थी।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर टॉम हार्टले एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं जिन्होंने बल्लेबाज विल जैक आईसीसी विश्व टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया। सभी टीमों को 25 मई तक अपने दस्तों में बदलाव करने की अनुमति है जिसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की इवेंट तकनीकी समिति से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा यह टीम अगले महीने लीड्स में चार मैचों की टी20 सीरीज में पाकिस्तान से भी भिड़ेगी।

इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा कि चयनित खिलाड़ी जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए समय पर लौट आएंगे, जो 22 मई को हेडिंग्ले में शुरू हो रही है। विश्व कप टीम 4 जून को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में स्कॉटलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के शुरुआती ग्रुप मैच से पहले 31 मई को कैरेबियन के लिए उड़ान भरेगी।

टी20 विश्व कप और पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की प्रारंभिक टीम

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन , आदिल रशीद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, और मार्क वुड.

पंजाब पर जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने अपने पिछले मुकाबले में यहां लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिससे वह अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस मैच में सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा शिवम दुबे, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र पर रहेगी। रविन्द्र अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में जमकर रन बनाना रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना आदि पर रहेगी। उसे पंजाब के निचले क्रम के बल्लेबाजों आशुतोष शर्मा और शशांक सिंह पर अंकुश लगाना होगा क्योंकि ये दोनो ही आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला देते हैं।

सुपरजाइंट्स के खिलाफ कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 98 रनों की शानदार पारी खेली थी जबकि गेंदबाजी में तुषार देशपांडे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए थे। यहां की पिच गेंदबाजों के लिए सहायक रहती है जिसका लाभ भी सीएसके के गेंदबाज उठाना चाहेंगे। यहां ओस नहीं पड़े तो फिर दूसरी पारी में रन बनाना कठिन होता है। ऐसे में टॉस की अहम भूमिका रहेगी और पहले गेंदबाजी करने वाली टीम लाभ में रहेगी हालांकि ओस गिरने पर हालात बदल जाते हैं।

इस मैदान पर सीएसके ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 200 से अधिक रन बनाये थे। इससके बाद उसने अच्छी गेंदबाजी कर सनराइजर्स को हराया था। ऐसे में पंजाब के लिए चेपॉक पर खेलना आसान नहीं रहेगा। पंजाब ने हालांकि इस सत्र में एक बार लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन बनाये हैं जिससे टीम का मनोबल बढ़ा है और वह जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पंजाब की बात करें तो टीम की बल्लेबाजी जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह के अलावा शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान सैम कुरेन, कागिसो रबादा जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

टीम

चेन्नई सुपरकिंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हांगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महीश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

अकरम की तरह तेजी से ओवर पूरा करते हैं जडेजा : सिद्धू

चेन्नई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने नवजोत सिंह सिद्धू अपने बड़बोलेपन के लिए जाने जाते हैं। अब सिद्धू ने ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की तुलना पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर वसीम अकरम से की है। सिद्धू ने ये बात जडेजा के तेजी से ओवर पूरे करने को लेकर कही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अकरम जल्दी से ओवर पूरा किया करते थे, वैसे ही जडेजा भी तेजी से ओवर पूरा करते हैं। सिद्धू ने कहा जब ओवर पूरा करने की बात आती है तो जडेजा अकरम की तरह तेजी से गेंदबाजी करते हैं। इससे बल्लेबाजों पर दबाव बना रहता है क्योंकि उन्हें आराम का कोई अवसर नहीं मिलता। इसके अलावा सिद्धू ने बल्लेबाज शाहरुख खान को लेकर कहा कि वह प्रतिभाशाली है और पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी की तरह गेंद पर प्रहार करता है लेकिन उसे अपना विकेट बचाकर खेलना होगा और प्रदर्शन में निरंतरता दिखानी होगी।

श्रेयस अय्यर के आईपीएल में 3 हजार रन पूरे, इस लिस्ट में पाया 5वां स्थान

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 3,000 रन पूरे कर लिए। भारतीय बल्लेबाज ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। अय्यर ने 23 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 33 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। अय्यर अब तक 110 मैचों में 32.20 की औसत और 126.28 की स्ट्राइक रेट से 20 अर्धशतक के साथ 3,027 रन बना चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 है। अय्यर ने पहली बार 2015-2021 तक दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया और 2022 में नाइट्स में शामिल हुए। दिल्ली के लिए 87 मैचों में अय्यर ने 31.75 की औसत और 123.96 की स्ट्राइक रेट से 16 अर्धशतकों के साथ 2,375 रन बनाए हैं। कैपिटल्स के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 रन था। केकेआर के लिए अय्यर ने 23 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.52 की औसत और 135.55 की स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतकों के साथ 652 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 85 रहा है।

किसी खास शैली की नकल न करें पाक खिलाड़ी : गिलेस्पी

लाहौर (एजेंसी) । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने टीम के खिलाड़ियों से कहा है कि वे अपनी शैली में बदलाव न करते हुए अपना स्वाभाविक खेल ही खेलें। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रहे गिलेस्पी के अनुसार किसी खास शैली की नकल उन्हें भारी पड़ सकती है। कोच के अनुसार वह चाहते हैं कि उनके प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने तरीके से ही खेलें। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रामक रवैया रखना होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गिलेस्पी को अगले दो साल के लिए टीम को कोच बनाया है।

वहीं सीमित ओवरों के लिए कोच की कमान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज रहे गैरी कर्स्टन को दी गयी है। कर्स्टन के कोच रहते ही भारत ने साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप जीता था। गिलेस्पी ने कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो। मेरे लिए यही बात सबसे अहम है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने का प्रयास नहीं करना चाहिये जो आप नहीं हो।'

गिलेस्पी ने कहा, 'आप इसे कैसे करते हैं ये आपके ऊपर है। मैं केवल इतना कहूंगा कि सकारात्मक, आक्रामक, मनोरंजक बनें। चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलें और प्रशंसकों का मनोरंजन करें।' गिलेस्पी ने कहा, 'एक ऐसा समय भी आएगा जब आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यही टेस्ट क्रिकेट है। यह आपके कौशल, मानसिक क्षमता और धैर्य की परीक्षा लेता है। इसमें ऐसा समय भी होता है जब आपको आक्रमण करना होता है और कभी कभी विरोधी टीम पर दबाव भी बनाना होता है।

कोच ने कहा कि पाक के पास कुशल खिलाड़ी हैं पर उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर हम जितना संभव हो अपने प्रदर्शन में उतनी निरंतरता ला सकें तो उम्मीद है कि स्कोरबोर्ड पर रन होंगे तो भी हम कुछ जीत हासिल कर सकते हैं। मुझे पता है कि वे बहुत प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को यह तय करने की जरूरत है कि वे स्वयं को कैसे देखना चाहते हैं और हम ऐसा कैसे कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'टीम के पास जीत के लिए जरुरी सभी कुछ है। मैं बल्लेबाजी में प्रतिभाशाली और रोमांचक खिलाड़ियों को देखता हूं। उनमें से कई बहुत अच्छे स्ट्रोक खेलने वाले खिलाड़ी हैं। ये तकनीकी रूप से बहुत कुशल खिलाड़ी भी हैं।' उन्होंने कहा, ' टीम के पास ऐसे भी तेज गेंदबाज हैं जो तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और गेंद को स्विंग कराते है। इसके अलावा ऐसे स्पिनर भी हैं जो गेंद को तेजी से स्पिन कराते हैं।'

पृथ्वी की मुश्किलें बढ़ीं , सपना की याचिका पर सत्र अदालत ने भेजा समन

मुंबई । क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मुंबई की एक सत्र अदालत ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सपना गिल की याचिका पर पृथ्वी को समन जारी किया। सपना ने अपनी इस याचिका में इस क्रिकेटर के खिलाफ एक मजिस्ट्रेट के आदेशों को चुनौती दी है। अंधेरी की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने इस महीने की शुरुआत में सपना की याचिका पर उस घटना को लेकर पुलिस जांच का आदेश दिया था, जिसमें एक पब में कथित तौर पर उसके साथ छेड़छाड़ करने के लिए पृथ्वीके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने हालांकि सपना की एक अन्य याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें क्रिकेटर और उसके दोस्त के खिलाफ उनकी शिकायत पर मामला दर्ज करने में विफल रहने के लिए पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। दोनों आदेशों से असंतुष्ट नजर आयीं सपना ने इसके बाद मलाड की एक सत्र अदालत के समक्ष एक समीक्षा आवेदन दायर किया। वकील अली काशिफ खान के माध्यम से दायर इस समीक्षा आवेदन में दावा किया गया है कि 3 अप्रैल को मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश अनियमित और अवैध है। इस मामले की अगली सुनवाई 6 जून को होगी।

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को मिली जगह

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में 1-29 जून तक खेले जाने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें एडेन मार्कराम टीम का नेतृत्व करेंगे। टी20आई कप्तान बनाए जाने के बाद यह मार्कराम का पहला विश्व कप होगा। टीम में अनुभवी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और होनहार ट्रिस्टन स्टब्स शामिल हैं। इसके अलावा, टीम में दो अनकैप्ड टी20आई खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेलटन और तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन भी शामिल हैं। रिकेलटन एमआई केप टाउन के लिए 58.88 की औसत से 530 रन के साथ स्20 के दूसरे संस्करण के अग्रणी रन-स्कोरर के रूप में रहे जबकि बार्टमैन ने गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए आठ मैचों में 18 विकेट लिए और वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दिल्ली कैपिटल्स के साथ हैं। कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्टजे तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्हें मार्को जेन्सन और गेराल्ड कोएत्ज़ी का समर्थन प्राप्त होगा। अन्य उल्लेखनीय चयनों में तीन फ्रंट-लाइन स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन, केशव महाराज और तबरेज़ शम्सी शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'हाल ही में खेले गए टी20 क्रिकेट की मात्रा और जिस तरह का फॉर्म दिख रहा है, उसे देखते हुए इस समूह का चयन करना बेहद कठिन था। मैं दो अनकैप्ड खिलाड़ियों, रयान और ओटनील को उनके चयन पर बधाई देना चाहता हूं। हमने 2024 में अपने खिलाड़ियों का कुछ अविश्वसनीय प्रदर्शन देखा है और इससे मेरा काम वास्तव में बहुत कठिन हो गया। फिर भी मुझे गर्व और विश्वास है कि हमने सबसे मजबूत संभावित टीम का चयन किया है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वेस्ट इंडीज और यूएसए में सफलता की पूरी संभावना है।'

टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम- एडेन मार्कराम, ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज़ शम्सी, और ट्रिस्टन स्टब्स।

पीबीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम आईसीसी के पास भेजा

-भारत सहित सभी टीमों के मैच पाक में ही रखे गये

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित सभी टीम के मैच पाक में ही रखें है जबकि भारतीय टीम के वहां जाने की कोई संभावना नहीं हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेजा है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पूरे पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पाक करेंगा और किसी भी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें सत्र में शीर्ष 8 एकदिवसीय टीमें शामिल होंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी और मार्च 2025 में होगी। नकवी ने कहा कि पीसीबी ही इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। नकवी ने कहा कि, हम पाक में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी चाहते हैं। इसी कारण हमने आईसीसी को कार्यक्रम भेज दिया है। जहां तक सुरक्षा की बात है आईसीसी की टीम ने पाक का दौरा किया था और वह हमारे सुरक्षा इंतजामों से संतुष्ट दिखी है। पीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम इसमें शामिल होगी। हालांकि उसकी उम्मीदें पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से शायद ही पाक का दौरा करे। पिछले साल हुए पाक में हुए एशिया कप में भी भारतीय टीम शामिल नहीं हुई थी और उसके सभ मैच श्रीलंका में आयेजित किये गये थे। इस बार भी भारतीय टीम के पाक दौरे की कोई संभावना नहीं है। दूसरी ओर पीसीबी इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर दबाव बनाना चाहता है।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने अतीत में गलत प्राथमिकताओं का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है।

भारत की फीफा रैंकिंग में इस समय गिरावट आ रही है जिसका कारण एशियाई कप में उसका एक भी मैच नहीं जीतना और उसके बाद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में निचली रैंकिंग वाले अफगानिस्तान से 1-2 से हार है। भारत के पूर्व गोलकीपर चौबे ने 1974 एशियाई युवा चैंपियनशिप में भारत की जीत के 50 साल के जश्न के मौके पर कहा, ''1947 से 1960 तक भारत ने नियमित रूप से चार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और एशिया की दिग्गज टीम थे। तो भारत कहां पीछे रह गया? 1990 के दशक की शुरुआत में भी, जब मैं खेला करता था तब मुझे याद है कि भारत की रैंकिंग 90 से नीचे थी।''

उन्होंने कहा, ''अगर भारत विश्व कप (1950) में खेलता तो उन्हें शीर्ष रैंकिंग वाले देशों का सामना करना पड़ता और वे पिछड़ते नहीं।'' विश्व कप 1950 में जगह बनाने के बावजूद भारत इसमें क्यों नहीं खेला यह एक विवादास्पद विषय रहा है लेकिन चौबे ने कहा कि उस समय भारत की प्राथमिकता दिल्ली में होने वाले एशियाई खेल (1951) थे जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, ''मुझे पता चला कि हम इसलिए नहीं खेले क्योंकि भारत 1951 में दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी कर रहा था। वे जहाज से तीन महीने की यात्रा नहीं करना चाहते थे और विश्व कप को महत्व नहीं दिया।''

चौबे ने कहा, ''हम शायद 1950-74 तक केवल एशियाई खेलों और ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करने के कारण चूक गए होंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उन दिनों विश्व कप लोकप्रिय नहीं था और 1986 में डिएगो माराडोना को देखने के बाद ही भारत में फुटबॉल की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की लोकप्रियता बढ़ी। चौबे ने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं तो 1986 में टेलीविजन पर माराडोना को देखने के बाद ही विश्व कप लोकप्रिय हुआ। तब तक 1970 के दशक का सुनहरा दौर खत्म हो चुका था और हम मौके से चूक गए।'' उन्होंने कहा, ''यह 400 मीटर की दौड़ में पहला लैप चूकने जैसा है। हम शायद तेजी से दौड़ रहे हैं लेकिन 400 मीटर की दौड़ में बाकी लोग एक लैप (100 मीटर) आगे हैं।''

एआईएफएफ प्रमुख ने स्वीकार किया कि भारत को अन्य देशों से आगे निकलने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। चौबे ने कहा, ''इसलिए हमें इसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा। कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। यह एक बड़ा देश है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा कि जागरूकता और नई तकनीक को अपनाकर उम्र में हेराफेरी को रोकना महत्वपूर्ण है। चौबे ने कहा, ''सबसे पहले अधिक उम्र की समस्या से निपटना होगा। हमें उम्र में हेराफेरी को रोकना होगा, यह विज्ञान के माध्यम से या जागरूकता बढ़ाकर हो सकता है। हमें दूसरों को शिक्षित करना होगा। एक टीडब्ल्यू3 मेडिकल परीक्षण भी है जिसे अनिवार्य बनाया जा सकता है।

हसी ने बताया रूतुराज की सफलता का राज

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ की तारीफ करते हुए कहा है कि उसे पता है कि कब क्या करना है। हसी ने कहा कि रूतुराज गेंदबाजों से एक कदम आगे चलता है जिससे उसे पता चल जाता है कि किस गेंद को कैसे खेलना है। हसी ने कहा, '' मैं उससे पूछता रहता हूं कि उसके शानदार प्लेसमेंट का राज क्या है क्योंकि उसे हमेशा फील्डर के बीच में जगह मिल जाती है जिससे गेंद आसानी से सीमा रखा के पार निकल जाती है।'' कोच ने कहा, '' वह चालाक बल्लेबाज है। उसे पता है कि किस गेंद पर स्ट्रोक खेलना है और किस पर नहीं। वह स्पिन गेंदों के साथ ही तेज गेंदबाजी का सामना भी आसानी से करता है। इससे वह मैदान के चारों ओर तेजी से रन बनाता है।'' साथ ही कहा, '' वह हमेशा गेंदबाजों से एक कदम आगे रहता है। इसी कारण उसकी बल्लेबाजी देखने में आनंद आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगा संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षे में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृ शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षे में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट् गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों व अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों क रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुन उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कह जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृ की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन क स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्ष ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिडेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनामी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है। दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकैंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

हैती में व्यवस्था बहाल करने अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होगा बांग्लादेश

जेनेवा। हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस सहित देश के कई हिस्सों में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैलाए हुए हैं। इस दौरान हजारों लोग मारे गए हैं। हैती में व्यवस्था बहाल करने में मदद के लिए बांग्लादेश भी अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी देते बताया कि बांग्लादेश उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखा है कि वे हैती में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता मिशन (एमएसएसएम) में अपना योगदान देना चाहते हैं। सुरक्षा परिषद ने हैती में स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए एमएसएसएम मिशन का गठन किया है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र से स्वतंत्र रूप में कार्य करेगा। केन्या के नेतृत्व वाली सेना में बहामास, बारबाडोस, बेनिन, चाड और जमैका शामिल हैं। गौरतलब है कि हैती में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैला रहे हैं। इससे हजारों लोगों की जान जा चुकी है। 1.4 मिलियन लोगों को अकाल का सामना करना पड़ रहा है और चार मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में हैती के पीएम एरियल हेनरी देश छोड़कर अमेरिका भाग गए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह अमेरिका में निर्वासन के दौरान इस्तीफा दे दिया। 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज़ की हत्या कर दी गई थी।

कोलंबियाई सेना का हेलीकॉप्टर क्रैस, 9 सैनिकों की मौत

बोगोटा । उत्तरी कोलंबिया में सैनिकों को आपूर्ति करके लौटते समय सेना का एक हेलीकॉप्टर क्रैस हो गया जिससे उसमें सवार 9 सैनिकों की मौत हो गई। कोलंबिया की राष्ट्रीय सेना ने यह जानकारी दी। सेना के बयानों में कहा गया कि दोपहर के समय हेलीकॉप्टर का बेस से संपर्क टूट गया और बाद में पता चला कि वह बोलिवर विभाग के सांता रोजा नगर पालिका के पास क्रैस हो गया। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सोशल मीडिया पर इस त्रासदी पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि ये सैनिक खाड़ी कबीले के खिलाफ अभियान चला रहे थे। खाड़ी कबीले को कोलंबिया में मादक पदार्थों की तस्करी और एक आपराधिक गिरोह के रूप में जाना जाता है।

लंदन में तलवार से हमला करने वाला शख्स गिरफ्तार, 2 पुलिस अधिकारी हुए जख्मी

लंदन। लंदन के पूर्व में स्थित हैनॉल्ट में एक शख्स ने तलवार से कई लोगों पर हमला करते हुए हंगामा किया। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को तलवार सहित गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में पुलिस के दो अधिकारी भी घायल हो गए। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि तलवार लिए शख्स के हमले में कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 7:00 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक वाहन, एक घर में जा घुसा है और इसी के साथ यह भी सूचना मिली कि लोगों को चाकू से मारा गया है। पुलिस ने बताया कि समझा जा रहा है कि संदिग्ध व्यक्ति ने आम लोगों और दो पुलिस अधिकारियों पर हमला किया था। ग्रेटर लंदन के 620 वर्ग मील क्षेत्र की निगरानी करने वाली मेट्रोपोलिटन पुलिस (मेट) का कहना है कि 36 वर्षीय एक संदिग्ध व्यक्ति को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया गया है। अनेक लोगों पर हमला करने वाले शख्स को तलवार के साथ ही गिरफ्तार किया गया है। घटना और आरोपी के संबंध में उप सहायक आयुक्त एडे एडेलेकन का कहना था कि उक्त घटना का संबंध आतंकी घटना से नहीं हो सकता है। ऐसे में और अधिक संदिग्धों की तलाशी नहीं की जा रही है।

दुबई में बनेगा सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, 260 मिलियन यात्रियों की होगी क्षमता, - 400 टर्मिनल गेट और 5 रनवे होंगे, लोगों को मिलेगी कई सुविधाएं

दुबई। दुबई के राजा शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम ने अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में 128 बिलियन एईडी के एक नए यात्री टर्मिनल को मंजूरी दे दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ सालों में अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 260 मिलियन यात्रियों की क्षमता के साथ दुनिया में सबसे बड़ा यात्री टर्मिनल होगा और दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच गुना बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि दुबई हवाई अड्डे से हो रहे सभी परिचालन अल मकतूम में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, अल मकतूम हवाई अड्डे में 400 टर्मिनल गेट और पांच रनवे बनाए जाएंगे। दुबई की सरकारी एयरलाइन एमिरेट्स के अध्यक्ष शेख अहमद बिन सईद अल-मकतूम ने कहा कि यह हवाई अड्डा प्रमुख वाहक एमिरेट्स और उसकी बहन कम लागत वाली एयरलाइन फ्लाईदुबई के साथ-साथ दुनिया को दुबई से जोड़ने वाले सभी एयरलाइन भागीदारों का नया घर होगा। दुबई मीडिया ने दुबई एयरपोर्ट्स के सीईओ के हवाले से कहा, यह कदम विश्व मंच पर अग्रणी विमानन केंद्र के रूप में दुबई की स्थिति को और मजबूत करता है।

कई सालों से आग में झुलस रहा अमेरिका का सेंट्रलिया शहर, जमीन के अंदर लगातार जल रही है खदानें

न्यूयार्क । अमेरिका के पेनसिल्वेनिया का यह खौफनाक शहर सेंट्रलिया दशकों से जमीन के नीचे की आग की चपेट में है। आज इसकी आबादी केवल 5 लोगों की रह गई है। 1962 में सेंट्रिलिया की खदान में आग लग गई थी जिसने आज तक थमने का नाम नहीं लिया है और अब पूरा का पूरा बसाया बसाया शहर जमीन के अंदर लगी आग के धुएं से तबाह हो चुका है।

1920 के दशक में सेंट्रलिया दुकानों से भरा एक हलचल भरा शहर हुआ करता था, जिसके निवासी बढ़ते खनन उद्योग से लाभान्वित होते थे। जैसे-जैसे इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ती गई, इसके 1,200 निवासी स्थानीय खदानों से प्राप्त कोयले पर खुशी से जीवन व्यतीत करने लगे।पर आज यह शहर पूरी तरह से वीरान है, इसकी अधिकांश इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। यह सब एक खदान में लगी आग से शुरू हुआ जो 1962 में शुरू हुई और 50 साल से अधिक समय बाद भी जल रही है, जिसके धुएं से शहर पूरी तरह से तबाह हो गया। पिछली अमेरिकी जनगणना के अनुसार शहर की आबादी अब घटकर केवल 5 लोगों की रह गई है, जो अब धुएं वाले इलाके के करीब रहते हैं। मई 1962 में, सेंट्रलिया की नगर परिषद ने कथित तौर पर प्रस्तावित किया कि स्थानीय लैंडफिल को बाद में गर्मियों में मेमोरियल डे उत्सव के लिए समय पर साफ किया जाना चाहिए।

गाजा के खराब हालातों पर एक बैठक में बात करते हुए सउदी और अमेरिकी अधिकारी।

चीन का रक्षा बजट भारत से नौ गुना ज्यादा, निशाने पर अमेरिका

बीजिंग। युद्धाभ्यास कर अपने पड़ोसी देशों को डराने में जुटा चीन अपनी सेना पर जरुरत से ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। इससे उसका रक्षा बजट पहाड़ जैसा हो गया है। चीन का रक्षा बजट अमेरिका के बराबर हो गया है। अमेरिकी की एक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि चीन का 2022 में रक्षा बजट 710 अरब डॉलर था। इससे पहले चीन ने दावा किया है कि उसका रक्षा बजट 229 अरब डॉलर है। वहीं अमेरिका की बात करें तो उसने 2022 में सेना पर 742 अरब डॉलर खर्च किए थे। अगर भारत की बात करें तो यह करीब 81 अरब डॉलर था जो चीन से लगभग 9 गुना कम है। रिपोर्ट में कहा कि चीन सैन्य बजट का गलत आंकड़ा सार्वजनिक करता है और यह नहीं बताता है कि वह सैन्य तैयारी पर कितना खर्च किया । चीन एयरक्राफ्ट कैरियर से लेकर अत्याधुनिक बॉम्बर बना रहा है। चीन के निशाने पर अमेरिका है जो सबसे ज्यादा सेना पर खर्च करता है। यह आंकड़ा साल 2022 के चीन के सैन्य बजट को लेकर निकाला गया है जो 711 अरब डॉलर था। यह उस साल अमेरिका के बजट से लगभग बराबर है। अमेरिका एक वैश्विक सुपर पावर है और उसे चीन के गढ़ हिंद प्रशांत क्षेत्र से लेकर मध्य पूर्व तक बिखरी अपनी सेना पर खर्च करना पड़ता है। यही नहीं यूरोप में रूस के खिलाफ नाटो देशों की मदद के लिए अमेरिका सेना तैनात किए हुए है। इससे अमेरिकी रक्षा बजट बंट जाता है। वहीं चीन का पूरा फोकस एशिया पर है और वह अपनी सेना पर खर्च कर रहा है ताकि युद्धक तैयारी को बढ़ाया जा सके। अमेरिकी खुफिया समुदाय का अनुमान है कि चीन का सालाना रक्षा बजट 700 अरब डॉलर है। उसने चीन से रक्षा बजट में पारदर्शिता बरतने की मांग की है। पेंटागन ने माना है कि चीन तेजी से चुनौती बनता जा रहा है। चीन का यह रक्षा बजट चिंता का विषय है।

जिसने बनाई पहली कोरोना वैक्सीन, उस साइंटिस्ट को भ्रष्टाचारी बता चीनी संसद से निष्कासित किया गया

बीजिंग (एजेंसी)। साल 2020 में कोरोना महामारी के दौरान पहला कोविड-19 वैक्सीन बनाने वाले चीन के टॉप साइंटिस्ट को कथित भ्रष्टाचार के लिए संसद से बर्खास्त कर दिया गया है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि यांग ज़ियाओमिंग को कथित अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए विधायिका के एक प्रतिनिधि के रूप में उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया था। 62 वर्षीय यांग एक अनुभवी शोधकर्ता और सिनोफार्म के वैक्सीन डिवीजन, चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने सिनोफार्म के बीबीआईबीपी-कोरवी वैक्सीन के विकास का निरीक्षण किया।

ये चीन में व्यापक उपयोग के लिए अधिकृत पहला कोरोनो वायरस वैक्सीन था। एनपीसी ने अपनी

स्थायी समिति की चार दिवसीय बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा कि यांग पहले से ही पार्टी के अनुशासनात्मक प्राधिकरण, केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग द्वारा जांच के अधीन है। यांग की बर्खास्तगी चीन की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर सबसे बड़ी कार्रवाई के बीच हुई है, जो पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा शुरू किए गए व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का विस्तार है।

चीन द्वारा निर्यात किए गए दो सबसे लोकप्रिय कोविड-19 टीकाकरण सिनोफार्म शॉट और सिनोवैक बायोटेक के कोरोनावैक थे। यांग को चीन की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर सबसे बड़ी कार्रवाई के बीच निकाल दिया गया था, जो एक बड़े भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है जिसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2012 के अंत में शुरू किया था। कार्रवाई का लक्ष्य रिश्वतखोरी से ग्रस्त प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार को खत्म करना है। पिछले साल से कई अस्पताल निदेशकों को जेल में डाल दिया गया है, और यह दवा निगमों, बीमा फंडों और अस्पतालों को निशाना बनाता है। सिनोफार्म के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और कंपनी के उप महाप्रबंधक झोउ बिन की जनवरी में सीसीडीआई द्वारा जांच की गई थी।

फिर फटा माउंट रुआंग ज्वालामुखी, आसमान में फैला गुबार और गांवों में बिखरा मलबा

मानादो (इंडोनेशिया) (एजेंसी)। इंडोनेशिया का माउंट रुआंग ज्वालामुखी दो सप्ताह के भीतर दूसरी बार मंगलवार को फिर से फट गया, जिससे करीब दो किलोमीटर दूर तक आसमान में गुबार फैल गया और एक हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा। ज्वालामुखी फटने की वजह से उसका मलबा आस-पास के गांवों में फैल गया। इंडोनेशियाई भूवैज्ञानिक सेवा ने ज्वालामुखी फटने का संकेत मिलने के बाद सुलावेसी द्वीप पर चेतावनी जारी की थी और आस-पास के गांवों में रहने वाले लोगों और पर्वतारोहियों से ज्वालामुखी से कम से कम छह किलोमीटर दूर रहने का आग्रह किया था।

उत्तरी सुलावेसी प्रांत में 725 मीटर (2,378 फुट) ऊंचा ज्वालामुखी प्रांत की राजधानी मानादो में सैम रतुलंगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 95 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित है। क्षेत्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के प्रमुख अम्बाप सुरयोको ने बताया कम दृश्यता और राख की वजह से विमानों के इंजन को कोई खतरा न हो, इसलिए हवाई अड्डे को मंगलवार को सुबह बंद कर दिया गया था। मानादो सहित क्षेत्र भर के कस्बों और शहरों में आसमान से राख, कंकड़ और पत्थर गिरते हुए दिखाई दिये। इतना ही नहीं, वाहन चालकों को दिन के वक्त भी अपनी गाड़ियों की हेडलाइट जलाकर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मानादो में 430,000 से ज्यादा लोग रहते हैं।

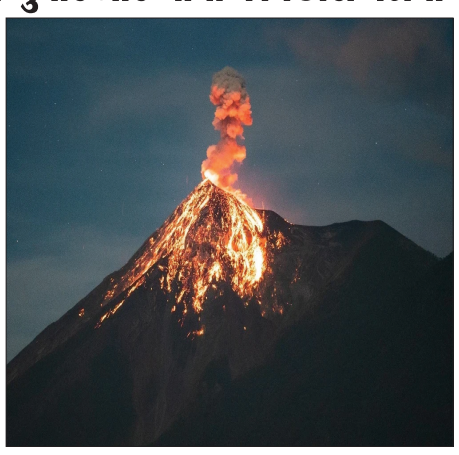

पन्नू की हत्या की साजिश वाली रिपोर्ट पर भारत सख्त

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को अमेरिका में सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की कथित हत्या की साजिश पर एक रिपोर्ट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने रिपोर्ट को अनुचित और अप्रमाणित बताते हुए कहा, अमेरिकी सरकार द्वारा साझा की गई सुरक्षा चिंताओं को देखने के लिए भारत सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की जांच चल रही है। संगठित अपराधियों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के नेटवर्क पर अटकलें और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां मददगार नहीं हैं।

वहीं कैरीन ज्यां-पियरे ने आगे कहा कि भारत, अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और ''हम कई क्षेत्रों में अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।' पन्नू की हत्या की कथित साजिश पर खोजी रिपोर्ट के बारे में ज्यां-पियरे ने कहा, ''हमने इस पर लगातार चर्चा की है और कई बार अपनी बात रखी है, चाहे यहां प्रधानमंत्री के साथ बैठक में हो या विदेश में किसी बैठक में हो।'' उन्होंने कहा, ''यह गंभीर मामला है और हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। भारत सरकार ने हमसे बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं और इसकी जांच कराएंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम जांच के आधार पर सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं। लेकिन हम अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे। यह रुकने वाला नहीं है। हम सीधा भारत सरकार के समक्ष अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे।'' बता दें कि अमेरिका में पन्नू को मारने की कथित साजिश पिछले साल जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून को हुई घातक गोलीबारी के साथ मेल खाती है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों के अनुसार वह अभियान भी यादव से जुड़ा था। खबर में यह भी कहा गया है कि हत्या की दोनों साजिश पाकिस्तान में हिंसा बढ़ने के बीच रची गयी जहां निर्वासन में रह रहे और भारत सरकार द्वारा आतंकवादी करार दिए गए कम से कम 11 सिख या कश्मीरी अलगाववादियों की पिछले दो साल में हत्या कर दी गयी है। पन्नू मामले में अमेरिका द्वारा लगाए आरोपों की जांच के बारे में पूछे जाने पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पिछले सप्ताह कहा था ''हमने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति अमेरिका द्वारा हमसे साझा की गयी सूचना पर गौर कर रही है क्योंकि इसका हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी समान रूप से प्रभाव पड़ता है।

ईरान ने बनाया नया आत्मघाती ड्रोन, अमेरिका-इजराइल को दे रहा टक्कर

- कड़े प्रतिबंधों के बावजूद यूएवी की उत्पादन क्षमता का कर रहा विस्तार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इजराइल तनाव के बीच ईरान ने एक नया आत्मघाती ड्रोन बनाया है। ईरान ने हाल के सालों में कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद मानव रहित हवाई वाहनों की अपनी उत्पादन लाइन का आक्रामक रूप से विस्तार किया है। जानकारी के अनुसार ईरान ने स्वदेशी ड्रोनों के अपने तेजी से बढ़ते शस्त्रागार को मजबूत करते हुए ये नया हथियार बनाया है। ईरानी सेना ने रूसी लैंसेट ड्रोन पर आधारित एक आत्मघाती ड्रोन बनाया है, जिसे एंटी एंबुस अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। ईरान ने कुछ सालों में कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार किया है। अपने इन आत्मघाती ड्रोन की वजह से ही ईरान इजरायल जैसी बड़ी ताकत के साथ दो-दो हाथ कर रहा है तो वहीं रूस को भी ईरान की मदद कर रहा है। ईरान ने सीरिया में अपने वाणिज्य दूतावास पर बमबारी के बाद इजरायल पर 350 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। हमले में ईरान में बनी हुई शहीद-136 और शहीद-131 कामिकेज ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 के बाद से ईरान के अपेक्षाकृत सस्ते लेकिन घातक शहीद ड्रोन युद्ध के मैदान में तबाही मचा रहे हैं। ईरान अपनी लंबी दूरी की ड्रोन तकनीक से हमास, हिज्बुल्ला और हूती विद्रोहियों की भी मदद कर रहा है। अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने 2019 में ईरान की सैन्य ताकत का आकलन करते हुए कहा था कि यूएवी ईरान की सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली हवाई क्षमता है।

इजरायली सेना ने क्रूरता की हदें पार कीं, यह मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन: अमेरिका

- नेतन्याहू समेत कई अधिकारियों के खिलाफ जारी हो सकता है गिरफ्तारी वारंट

वाशिंगटन (एजेंसी)। गाजा में इजराइल-हमास युद्ध में इजराइली सेना ने गाजा में निर्दोष लोगों का कत्लेआम किया जिससे पूरी दुनिया में इजराइल का विरोध किया जा रहा है और पूरी दुनिया उसके खिलाफ है। वहीं अब अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई उच्च इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। वहीं इजराइल के खास दोस्त अमेरिका ने कहा है कि इजरायल की सेना क्रूरता की हदें पार की हैं। यह मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने पत्रकारों को जानकारी दी कि पिछले साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने से पहले हुई घटनाओं में इजराइल ने मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन किया है। जिसके लिए इजरायली सेना की पांच

बटालियन जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि चार इकाइयों ने तो उल्लंघनों को प्रभावी ढंग से सुधार कर लिया है, लेकिन अब इजरायल की पांचवीं इकाई के बारेर में नई जानकारी सामने आई है और अमेरिका सरकार के साथ बातचीत जारी रख रहा है।

पटेल ने यह भी साफ किया कि इजरायली बलों को लेकर आई शिकायतों के बावजूद अमेरिकी हथियारों की बिक्री प्रभावित नहीं होगी और हम इजरायल को हथियारों की सप्लाई जारी रखेंगे। बता दें कि पिछले महीने अमेरिका ने इजरायल की एक बटालियन नेत्ज़ाह येहुदा को बैन करने की बात कही थी। इस बटालियन पर राफा शहर में निर्दोष फिलिस्तीनियों के खिलाफ घोर अत्याचार की शिकायतें मिली थी। पटेल ने आगे कहा कि हमने पांच इजरायली बटालियानों को मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन के लिए जिम्मेदार पाया है।

गौरतलब है कि इजरायल और हमास के बीच पिछले साल 7 अक्टूबर से शुरू हुए युद्ध में हजारों फिलिस्तीनी लोग मारे जा चुके हैं। पहले हमास ने इजरायल पर हमल करके 1200 लोगों को मार डाला था और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। अभी भी हमास की कैद में 100 से ज्यादा इजरायली कैद में हैं। उधर, जवाबी कार्रवाई और अपने लोगों को वापस लाने के लिए इजरायली सेना गाजा और राफा में ऑपरेशन चला रही है। इसमें 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। जिनमें ज्यादा बच्चे और महिलाएं हैं। इसको लेकर पूरी दुनिया में इजराइल विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं।

फिर छलका पाक का दर्द: बोला- भारत महाशक्ति बन रहा है और हम भीख मांग रहे हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। गरीबी, भुखमरी और आतंकवाद के लिए खुद की पहचान बना चुके पाकिस्तान का दर्द एक बार फिर छलका है। दरअसल पाकिस्तानी संसद में विपक्ष के एक सांसद ने भारत की तारीफ करते हुए अपने ही देश की बुरी गत का जिक्र कर दिया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बयान दिया कि एक तरफ भारत है जो लगातार महाशक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है, दूसरी तरफ हम हैं जो दिवालिया होने से बचने के लिए दूसरे देशों से भीख मांग रहे हैं। रहमान ने शहबाज शरीफ पर निशाना भी साधा। आरोप लगाया कि पाकिस्तान में सरकारें महलों में बनती हैं। पर्दे के पीछे के कुछ लोग फैसले ले रहे हैं और हम सिर्फ कठपुतली बने हुए हैं।

सांसद अब खुलेआम पीएम शहबाज शरीफ को खरी-खोटी सुनाने में लगे हैं। नेशनल असेंबली पर अपने भाषण में मौलाना फजलुर रहमान का शहबाज पर जमकर गुस्सा फूटा। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है और हम दिवालिया होने से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। इसका जिम्मेदार कौन है? रिपोर्ट के अनुसार, मौलाना फजलुर रहमान ने देश की दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने देश की निर्वाचित सरकार को महज उनकी कठपुतली बताया। साथ ही दावा किया कि हमारी दीवारों के पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो हमें नियंत्रित कर रही हैं और वे ही सारे निर्णय ले रहे हैं जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं।रहमान ने संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए संविधान के सिद्धांतों को त्यागने और लोकतंत्र को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, सरकारें महलों में बनती हैं और नौकरशाह तय करते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा? मौलाना फजल ने सवाल किया, कब तक हम समझौता करते रहेंगे? कब तक हम विधायक चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे।

दरअसल, 2024 के संसदीय चुनाव के बाद पाकिस्तान में नई सरकार का गठन तो हो गया लेकिन, हालात अभी भी नहीं सुधरे हैं। जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने वाले शहबाज शरीफ एक बार फिर पीएम की कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं। तमाम वादों के बावजूद पाकिस्तान की आर्थिक दुर्दशा में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया। शहबाज शरीफ लगातार दूसरे देशों में जाकर आर्थिक मदद ला रहे हैं, जिसके दम पर सरकार चल रही है। हालत ये हो गई है कि अब सांसदों ने भी शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रहमान ने 2018 और 2024 दोनों समय लोकसभा चुनावों में हुई धांधली की निंदा की और कथित

तौर पर नकली प्रतिनिधियों के सत्ता में आने की निंदा की। रहमान ने दावा किया कि देशवासी असुरक्षा से ग्रस्त हैं और इसके प्रति हमारी सरकार को होश में आने की जरूरत है।

खुद को सरकारी अधिकारी बता कारोबारी से 2 करोड़ की धोखाधड़ी की

ठाणे । महाराष्ट्र में नवी मुंबई के 42 वर्षीय एक कारोबारी से खुद को सरकारी अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति ने 2 दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। नवी मुंबई में नेरुल निवासी पीड़ित को कोविड-19 महामारी के दौरान कारोबार में नुकसान हुआ था। नेरुल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जनवरी 2021 में वह पड़ोसी मुंबई में पारेल निवासी आरोपी के संपर्क में आया जिसने खुद को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में एक उच्च अधिकारी बताया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पीड़ित को यह दावा करते हुए कर्ज दिलाने का वादा किया कि उसकी एक बैंक के सीईओ से जान-पहचान है। उसने कर्ज के लिए एक संपत्ति गिरवी रखने का प्रस्ताव भी किया। पीड़ित ने उसे बताया कि उसके पास गिरवी रखने के लिए संपत्ति नहीं है। इसके बाद आरोपी ने उसे एक अन्य व्यक्ति के बारे में बताया जो कर्ज ले रहा है। उसने दावा किया कि वह व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रख सकता है और कर्ज की राशि दोनों के बीच समान रूप से वितरित हो सकती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने इस झांसे में आकर उसे 2 करोड़ रुपये दे दिए जो उसे पुणे मेट्रो परियोजना के लिए तेलंगाना के एक ठेकेदार से मिले थे। जब पीड़ित ने कर्ज मांग रहे दूसरे व्यक्ति और बैंक अधिकारी से मिलने के लिए कहा तो ठग ने उससे बात करना बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर नेरुल पुलिस थाने ने शनिवार को धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत आरोपी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्मृति ईरानी के पास 8.75 करोड़, राजनाथ सिंह के पास 6.46 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है

लखनऊ/अमेठी । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से ज्यादा धन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पास है। इसका खुलासा सोमवार को दोनों के नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में हुआ। स्मृति के पास 8.75 करोड़ व राजनाथ सिंह के पास 6.46 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है। राजनाथ सिंह की संपत्ति 8 साल में 40 फीसद बढ़ी है। वर्ष 2019 में उनकी संपत्ति 4.62 करोड़ रुपये की थी। अब यह बढ़कर 6.46 करोड़ रुपये हो गई है। लखनऊ से तीसरी बार चुनावी मैदान में उतरे राजनाथ सिंह ने अपने पास 75 हजार व पत्नी के पास 45 हजार की नकदी की जानकारी दी है। उनके पास 1 रिवॉल्वर और एक 2 नाली बंदूक भी है। साथ ही 4.20 लाख रुपये का सोना और 4 लाख के रत्न हैं। उनकी पत्नी के पास 52.50 लाख का सोना और 9.37 लाख की चांदी है। उनकी पत्नी के पास कुल 90.71 लाख की संपत्ति है। यही नहीं उनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा नहीं है। वहीं स्मृति जुबिन ईरानी की संपत्ति 8 करोड़ 75 लाख 24 हजार 296 रुपये है। उनके पति की कुल संपत्ति 8 करोड 81 लाख 77 हजार 790 रुपये है। 5 साल में उनकी संपत्ति 4 करोड़ 4 लाख 22 हजार 348 रुपये बढ़ी है। जबकि उनके पति की संपत्ति में भी 4 करोड़ 14 लाख 19 हजार 976 रुपये का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी अमेठी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। वह 2014 के चुनाव में हार गईं थीं। इसके बाद 2019 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को हराया था। 2024 में भाजपा ने फिर उन्हें मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने अभी अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

नाबालिग के माता-पिता का मन बदला, कोर्ट ने वापस लिया गर्भपात कराने का आदेश

नयी दिल्ली। 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के माता-पिता द्वारा अपना मन बदलने के बाद सुप्रीमकोर्ट ने अपना 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया, जिसमें उसने लड़की को 30 सप्ताह का गर्भ को गिराने की अनुमति दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने नाबालिग लड़की का कल्याण ''बेहद महत्वपूर्ण'' बताते हुए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति दी थी। अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार है। सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले की सुनवाई की और पीठ की सहायता कर रहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी तथा नाबालिग लड़की के माता-पिता के वकील से बातचीत की। मामले से जुड़े वकीलों ने कहा कि लड़की के माता-पिता ने वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिए जजों के साथ बातचीत की। लड़की के माता-पिता ने कहा कि उन्होंने गर्भावस्था की पूरी अवधि तक इंतजार करने का फैसला किया है। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ ने नाबालिग लड़की के माता-पिता की दलीलें स्वीकार कर लीं और 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया है।

कैडबरी की चॉकलेट में मिली फंगस, ग्राहक ने तस्वीर की शेयर, पहले भी कैडबरी चॉकलेट में कीड़ा मिलने की मिल चुकी है शिकायत

नई दिल्ली। चॉकलेट खाने वालों के लिए एक बुरी खबर है, कैडबरी चॉकलेट में कीड़े के बाद अब फंगस मिलने का दावा किया जा रहा है। हैदराबाद में एक ग्राहक ने दावा किया है कि उसकी कैडबरी चॉकलेट में फंगस निकली है। उसने चॉकलेट की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसके बाद कई यूजर्स ने भी इस तरह की शिकायत की हैं। एक बार फिर कंपनी की क्वालिटी पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने चॉकलेट की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, डेयरी मिल्क चॉकलेट की मैन्यूफैक्चरिंग जनवरी, 2024 है और इसकी एक्सपायरी डेट मैन्यूफैक्चरिंग से 12 महीने तक है। जब मैंने इसे खोला तो यह पाया कि चॉकलेट में फंगस लगी है। साथ ही एक चॉकलेट में पीछे बड़ा छेद था। कई यूजर्स ने इसे शेयर भी किया है और इस पर कमेंट किया है। इस पर कंपनी ने जवाब देते हुए कहा है कि वह हाई क्वालिटी स्टैंडर्ड्स बनाए रखने की कोशिश करती है। इससे पहले भी फरवरी में हैदराबाद के एक व्यक्ति ने कैडबरी चॉकलेट के पैकेट से जिंदा कीड़ा निकलने की शिकायत की थी। सोशल मीडिया पर काफी हंगामा मचा था। 2003 में भी दिवाली से पहले मुंबई में ग्राहक ने कैडबरी के चॉकलेट में कीड़ा मिलने की शिकायत की थी। तब महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कैडबरी के पुणे प्लांट में बने चॉकलेट स्टॉक को जब्त कर लिया था। इस घटना के बाद कैडबरी की बिक्री में गिरावट आ गई थी। कैडबरी चॉकलेट बनाने वाली कंपनी का मालिकाना हक अमेरिका की कंपनी मॉडेलेज इंटरनेशनल के पास है।

सुरक्षा बलों ने 4 नक्सली ढेर किए और कईयों को घेरा, एनकाउंटर जारी

बस्तर। बस्तर के अबूझमाड़ में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर चल रहा है। इसमें अभी तक 4 नक्सली मारे गए हैं जबकि कईयों को घेरकर रखा है। मंगलवार सुबह से जारी एनकाउंटर खबर लिखे जाने तक जारी था। जानकारी के मुताबिक, बस्तर के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में जवानों ने नक्सलियों को कई जगहों पर घेरा है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और एसटीएफ की टीमें अबूझमाड़ की जंगलों में मौजूद हैं। दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग की जा रही है। इस एनकाउंटर में अब तक 4 नक्सली ढेर हो चुके हैं। एनकाउंटर में नक्सलियों का कितना नुकसान हुआ है, यह अभी साफ नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक 4 नक्सली ढेर हो चुके हैं। मुठभेड़ लगातार जारी है। बता दें कि कुछ दिनों पहले जवानों ने कांकेर जिले के छोटे बेठिया में 29 नक्सलियों को मार गिराया था। रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को सात महिला नक्सलियों समेत 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ एरिया कमेटी में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान लोन वर्राटू से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही, जून 2020 में शुरू किए गए पुलिस के लोन वर्राटू (अपने घर/गांव वापस लौटो) अभियान के तहत अब तक 177 इनामी नक्सली सहित कुल 761 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। इससे पहले इस महीने की 24 तारीख को जिले में तीन महिला नक्सलियों समेत 18 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए पेड़ काटकर गिराने तथा नक्सलियों द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान पोस्टर और बैनर लगाने का आरोप है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

नौसेना को शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना होगा: एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

लखनऊ (एजेंसी)। नयी दिल्ली। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय अभियान की दृष्टि से तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। एडमिरल हरि कुमार चार दशकों के शानदार कॅरियर के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं जिनमें क्षेत्र में हूती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है।''

उन्होंने कहा, ''समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को शांतिकाल में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय परिचालन की दृष्टि से तैयार रहना होगा और यदि कहा जाए तो समुद्र में तथा समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा।'' एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''मेरा एकमात्र ध्यान और प्रयास इस दिशा में होगा।'' नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि आत्म-निर्भरता बढ़ाने के लिए नौसेना के जारी प्रयासों को बढ़ाने पर वह प्राथमिकता देंगे।

उन्होंने कहा, ''मैं आत्म-निर्भरता की दिशा में, नई प्रौद्योगिकियों को पेश करने में और 'विकसित भारत' के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों की दिशा में राष्ट्रीय विकास कामहत्वपूर्ण स्तंभ बनने में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को भी मजबूत करूंगा।'' एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि वह बल के मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, ''मेरी प्राथमिकता हमारे मानव संसाधन का कौशल विकास करने की होगी जो हमारी नौसेना के पुरुष और महिला कर्मी हैं। मेरी प्राथमिकता उन्हें सर्वश्रेष्ठ शस्त्र, प्रशिक्षण, पेशेवर माहौल और प्रशासनिक समर्थन देने की होगी।'' उन्होंने नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले राष्ट्रीय समर स्मारक पर देश के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें रायसीना हिल्स के साउथ ब्लॉक के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना प्रमुख के रूप में प्रभार संभालने से पहले अपनी मां रजनी त्रिपाठी का आशीर्वाद लिया। रीवा के सैनिक स्कूल के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी इससे पहले नौसेना के उप प्रमुख का पद संभाल रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी का जन्म 15 मई 1964 को हुआ था और एक जुलाई 1985 में वह भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। उनका करीब 39 वर्ष का लंबा और उत्कृष्ट कॅरियर रहा है। उन्होंने भारतीय नौसैन्य जहाज 'विनाश', 'किर्च' और 'त्रिशूल' की कमान भी संभाली है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडकवासला के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और नौसेना पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट को ईडी दे जवाब.... केजरीवाल को चुनाव पूर्व क्यों गिरफ्तार किया?

नई दिल्ली। आम चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल करते हुए जवाब पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंगलवार को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से समय के सवाल पर जवाब देने को कहा। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी से सवाल करते हुए कहा, कि जीवन और स्वतंत्रता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही पीठ ने एसवी राजू से अनेक सवाल किए और जांच एजेंसी से केजरीवाल की उस याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख पर जवाब देने को कहा, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी हुई है। इस मामले की सुनवाई अदालत में शुक्रवार को होने की संभावना जताई गई है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को ईडी ने पूछताछ के दौरान ही गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में बोली मुस्लिम युवती- साहब मुझे हिंदुओं जैसा संपत्ति का अधिकार चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सामने कई बार चौंकाने वाले मामले आते हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली खंडपीठ के सामने एक ऐसी अर्जी आई, जिसमें एक मुस्लिम युवती ने यह कहते हुए भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत संपत्ति बंटवारे का निर्देश देने की मांग की थी कि वह इस्लाम नहीं मानती है। महिला का तर्क था कि वह भले ही मुस्लिम परिवार में जन्मी है लेकिन उसकी आस्था अब इस्लाम धर्म में नहीं है। इसलिए उसकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा शरिया कानून के तहत ना होकर भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत करने का निर्देश दिया जाय।खंडपीठ में जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी थे।

महिला के वकील के तर्कों को सुनने के बाद तीनों जजों की बेंच ने उस पर गहन विचार-विमर्श किया और इस नतीजे पर पहुंची कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इसके बाद सीजेआई ने अटॉर्नी जनरल को इस मामले में एमिकस क्यूरी बहाल करने का निर्देश दिया, जो अदालत को कानूनी और तकनीकी पहलुओं से परिचित करा सके। इस मामले की अगली सुनवाई अब जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित है।याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारतीय उत्तराधिकार कानून मुस्लिम धर्म में जन्मे व्यक्तियों को धर्मनिरपेक्ष कानून का लाभ उठाने से रोकता है, भले ही वे शरीयत कानून की धारा 3 के तहत औपचारिक रूप से ये घोषणा करें कि वे अब इस्लामी कानून का पालन नहीं करना चाहते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय उत्तराधिकार कानून की धारा 58 में कहा गया है कि यह मुसलमानों पर लागू नहीं होता है। भले ही आप शरिया अधिनियम के तहत घोषणा न करें, वसीयत आदि पर कोई धर्मनिरपेक्ष अधिनियम नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब आप शरियत भी नहीं मानेंगे तो फिर आप पर कौन सा नियम लागू होगा? यह एक अहम विषय है। इसके बाद सीजेआई ने इस पर एक कानूनी अधिकारी के नियुक्ति का आदेश दिया।

यह रिट याचिका केरल की एक महिला सफिया पीएम ने दायर की है। सफिया केरल में पूर्व-मुस्लिमों (जो मुस्लिम परिवार में जन्में लेकिन अब इस्लाम में आस्था नहीं रखते) का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ की महासचिव हैं। अपनी याचिका में सफिया ने एक डिक्लेरेशन दिया कि जो व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ से बंधे नहीं रहना चाहते हैं, उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष कानूनों, विशेष रूप से 1925 के भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत वसीयत और गैर वसीयत उत्तराधिकार के मामलों में अधिकार मिलना चाहिए। महिला ने तर्क दिया कि संविधान का अनुच्छेद 25 उसे किसी भी धर्म में आस्था रखने या न रखने की आजादी देता है। इसके साथ ही उनसे कहा कि उसके में पिता भी इस्लाम में आस्था नहीं रखते हैं इसलिए वह भी शरिया कानून के मुताबिक वसीयत नहीं लिखना चाहते हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर आप इसकी घोषणा नहीं करते हैं, तो धारा 3 के तहत आप इस कानून के अधीन नहीं आएंगे।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, मैं महिला हूँ, और मेरे भाई को डाउन सिंड्रोम है, उसे 2/3 संपत्ति दी गई है तो क्या मुझे भी वसीयत नहीं की जा सकती है। मेरी एक बेटी है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, इसकी हम घोषणा कैसे कर सकते हैं? सीजेआई ने कहा, आपके अधिकार या हक आस्तिक या नास्तिक होने से नहीं मिलते बल्कि ये अधिकार आपको आपके जन्म से मिले हैं। अगर मुसलमान के रूप में पैदा होते हैं,तो आप पर मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू होगा। जहां तक आपके पिता का सवाल है तो वह भी धारा-3 से बाध्य हैं। जब तक वह भी घोषणा नहीं करते तब तक वह धारा- 2 से बंधे रहेंगे।

प्रशंसा करते हुए बाबा रामदेव को अगली सुनवाई के लिए पेशी से मिली छूट

-अखबार में छपे माफीनामे को दिखाया, सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई नरमी

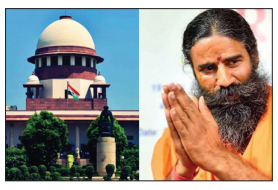

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलोपैथी के खिलाफ पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई दौरान योगगुरु रामदेव की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट को बताया कि पतंजलि ने जो माफीनामा पेश किया था, उसे रजिस्ट्री में जमा करा दिया गया है। वकील ने अखबार में छपे माफीनामे को सुप्रीम कोर्ट में दिखाया। कोर्ट ने इस माफीनामे को देखने के बाद बाबा रामदेव के लिए अपना रुख नरम किया।

बाबा रामदेव की ओर से पेश हुए मुकुल रोहतगी ने जब सुप्रीम कोर्ट में अखबार में छपे माफीनामे की जानकारी दी तो सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-आपने ओरिजनल रिकॉर्ड क्यों नहीं दिए, आपने ई फाइलिंग क्यों की? यह कन्फ्यूजिंग है और हम हाथ खड़े कर रहे हैं। इस पर बाबा रामदेव के वकील बलबीर सिंह ने कहा कि हो सकता है कि मेरी अज्ञानता की वजह से ऐसा हुआ हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछली बार जो माफीनामा छापा था, वो छोटा था और उसमें केवल पतंजलि लिखा था, लेकिन दूसरा बड़ा है। इसके लिए हम प्रशंसा करते हैं कि रामदेव बात समझ में आ गई है। सुनवाई के दौरान ही मुकुल रोहतगी ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रमुख के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने पतंजलि के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की थी। रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि आखिर आईएमए चीफ ने क्या कहा था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि आईएमए के अध्यक्ष का बयान रिकॉर्ड पर लाया जाए। ये बेहद गंभीर मामला है, इसका परिणाम भुगतने के लिए वे तैयार हो जाएं। इसके बाद रोहतगी ने अगली सुनवाई में रामदेव और बालकृष्ण के पेशी से छूट मांगी तो इस पर कोर्ट ने कहा ठीक है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि केवल अगली सुनवाई के लिए ही पेशी से छूट दी गई है।

बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का ऑफर ठुकराया

-बोले-लड़ाई नीतियों के बीच होनी चाहिए, व्यक्तित्व के बीच नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के अमेठी और रायबरेली से कांग्रेस राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। वहीं बीजेपी इन राहुल और प्रियंका को कैसे मात दिया जाए इसकी योजना बनाने में जुटी गई है। बीजेपी ने अपने पहली ही लिस्ट में अमेठी से स्मृति इरानी को मैदान में उतार दिया है, लेकिन रायबरेली में उसकी तलाश अब भी जारी है। वहीं सूत्रों से पता चला है कि पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी को रायबरेली से अपने ही बांधी परिवार के खिलाफ दो-दो हाथ करने का ऑफर मिला लेकिन वरुण ने इसे तुरंत ठुकरा दिया। यह भी कहा जा रहा है कि वरुण गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की अपनी इचछा जाहिर नहीं की और बीजेपी के आला नेताओं को भी इसकी जानकारी दे दी है। सूत्रों के अनुसार कहा जाता है कि रायबरेली से वरुण गांधी को चुनाव में उतारे जाने को लेकर हुए मंथन के पीछे बीजेपी के आंतरिक सर्वे से निकले संकेतों की अहम भूमिका रही। सर्वे में बीजेपी ने प्रियंका के सामने उत्तरप्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री से लेकर वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती समेत करीब आधे दर्जन से ज्यादा चेहरों को लेकर रायशुमारी की है।

पीएम मोदी के भाषण पर चुनाव आयोग ने दिया नोटिस, भाजपा ने जवाब के लिए मांगा समय

-बांसवाड़ा के भाषण में लगा विवादास्पद बयान का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बांसवाडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा को संबाधित किया था। इस दौरान उनके भाषण पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया और नोटिस भेज दिया। नोटिस का जवाब 29 अप्रैल तक देना था। जवाब में हो रहे बिलंब के चलते भाजपा ने चुनाव आयोग समय मांगा है। राजस्थान के बांसवाड़ा में चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप लगा। इसे लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को ईसी ने नोटिस भेज दिया। आयोग ने बीते 25 अप्रैल को यह नोटिस जारी किया था और उनसे 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक,

बीजेपी सूत्रों ने बताया कि पार्टी की ओर से जवाब तैयार किया जा रहा है, जिसमें यह बताया जाएगा कि पीएम मोदी ने तथ्यों के आधार पर बात की। ऐसा पहली बार है जब किसी प्रधानमंत्री की ओर से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जवाब देने के लिए कहा गया।

दूसरी ओर बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। यह आरोप लगाया कि उसने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो शेयर किया। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी ने टीएमसी के खिलाफ भी शिकायत की। यह आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी हिंसा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग भी की। आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद वैष्णव ने कहा, 'कांग्रेस फर्जी वीडियो के जरिए पूरी चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारना चाहती है। हमने आज इसके खिलाफ निर्वाचन आयोग से शिकायत की। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से फर्जी वीडियो पोस्ट कर लोगों के बीच भ्रम पैदा करने की कोशिश की है।'

बिहार से लोकतंत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी ना के बराबर...भाजपा और कांग्रेस ने किसी महिला प्रत्याशी को नहीं दिया टिकट

-लालू ने 6 महिला शक्ति को मैदान में उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला सशक्तीकरण की मिसाल से भरी माता जानकी की भूमि मिथिला में महिलाओं को लोकतंत्र में वह हिस्सेदारी नहीं मिल सकी, जो संविधान ने उन्हें दी है। बिहार में अबतक 17 बार लोकसभा चुनाव हुए और महज 34 महिला ही सदन पहुंचने में सफल हुई है।

विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करने वाले राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं की इस बार कोई सुध नहीं ली और टिकट बंटवारे के समय चुप्पी साध ली। भरपूर सम्मान एवं बराबरी की हिस्सेदारी का दावा करने वाले राजनीतिक दल इस चुनाव में भी आधी आबादी से किए अपने वादे भूल गए। बिहार में अबतक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार जीतने वाली रमा देवी को भाजपा ने इस बार के चुनाव में शिवहर से बेटिकट किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीटों में तालमेल के तहत शिवहर सीट जदयू को मिली है। जदयू ने शिवहर सीट से पूर्व सांसद लवली आनंद को उतारा है।महिला आरक्षण बिल या नारी शक्ति वंदन विधेयक पास कराने वाले एनडीए ने इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला शक्ति को नजर अंदाज किया है। भाजपा ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

राजग के घटक दल जदयू ने दो महिला सीवान से विजया लक्ष्मी देवी और शिवहर से लवली आनंद को टिकट दिया है। वहीं लोजपा-रामविलास ने वैशाली से वीणा देवी और समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने किसी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया है। कुल मिलाकर राजग ने चुनाव में 40 सीट में से चार सीट पर महिलाओं को टिकट दिया है। जबकि इंडिया गठबंधन ने छह महिला शक्ति पर भरोसा जताया है।

राजद ने बिहार में आधी आबादी को टिकट देने के मामले में इस बार सभी दलों से बाजी मार ली है। गैया बकरी चरती जाए, मुनिया बेटी पढ़ती जाए। नारा देने वाले राजद सुप्रीमो लालू ने सर्वाधिक छह महिलाओं को मैदान में उतारा है। इसमें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दो पुत्री मीसा भारती और रोहिनी आचार्य, बीमा भारती, रितु जायसवाल, अनिता देवी और अर्चना रविदास शामिल है। इसमें मीसा भारती को छोड़ अन्य पांच महिला शक्ति पहली बार लोकसभा के रण मे अपनी तकदीर आजमा रही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने किसी महिला शक्ति को मौका नहीं दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल वामदल ने भी किसी महिला को चुनाव में नहीं जगह दी है। वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा),मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी

(माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) से कोई महिला चुनावी मैदान में नही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने भी इस चुनाव में महिला शक्ति की उपेक्षा की और किसी महिला को मौका नहीं दिया। फिलहाल लोकसभा में बिहार की तीन महिला सांसद हैं, जो महज 7.5 फीसद भागीदारी हैं। यदि महिला आरक्षण लागू हुआ तो बिहार से कम से कम 13 महिला लोकसभा पहुंचेंगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

२० साल में पकड़ा गया धोखाधड़ी का आरोपी, भाई से मिलने सूरत आया और SOG ने पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सलाबतपुरा इलाके में लाखों की ठगी करने वाले एक जालसाज को आखिरकार स्ह्त ने पकड़ लिया है. आरोपी पिछले २० साल से वांछित था. २० साल पहले २००२ से २००५ की अवधि के दौरान आरोपी ने व्यापारी को नौ लाख से अधिक कीमत का साड़ियों का सामान नहीं लौटाया क्योंकि व्यापारी ने आरोपी को साड़ियों को चमकाने के लिए गए सामान का उचित मुआवजा नहीं दिया था. व्यापारी ने सलाबतपुरा थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई. इसलिए आरोपी शहर छोड़कर भाग गया. स्ह्त पुलिस ने आरोपी को सूरत के गोडादरा में रहने वाले अपने भाई से मिलने आते समय पकड़ लिया और कानूनी कार्रवाई शुरूकी.

पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलत ने व्यापारियों के साथ धोखाधड़ी कर अपराध करने वाले गिरोह के खिलाफ शहर व प्रदेश के अन्य पुलिस थानों में अपराध दर्ज सूरत के भगोड़े आरोपियों का पता लगाने के निर्देश दिए हैं. इसी बीच स्ह्त पीआई ए.पी.चौधरी के निर्देश पर स्ह्त टीम पेट्रोलिंग पर थी. मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कपड़ा धोखाधड़ी में पिछले २० वर्षों से वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. स्ह्त पुलिस टीम ने आरोपी भेरूदास उर्फ भेरवासिंह पुखदासजी वैष्णव को सूरत के गोडादरा इलाके के महाराणा प्रताप चौक से पकड़ा. २० साल पहले पुलिस से बचने के लिए आरोपी सूरत से भाग गया था. हालांकि, वह सूरत में रहने वाले अपने भाई से मिलने आए थे. पुलिस को रिपोर्ट मिलते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस द्वारा की गई जांच में पता चला कि आरोपी २० साल पहले सलाबतपुरा थाने के पास सागर मार्केट में दुकान नं. १८९९ में बालाजी पोलिश वर्क्स के नाम से साड़ी पॉलिशिंग का व्यवसाय कर रहे थे. उनके साथ नेमपुरी गोस्वामी और गोपालदास तुलसीदास वैष्णव सहित उनके भाई विजयदास और अन्य स्टाफ के लोग दुकान में काम कर रहे थे. वह संजयभाई की दुकान से साड़ी पॉलिश करने के लिए लाते थे और समय पर साड़ी पॉलिश करके सामान लौटा देते थे. हालाँकि, २००२ से २००५ की अवधि के दौरान, संजयभाई ने पुलिस साड़ियों की मजदूरी का पैसा नहीं दिया और तदनुसार सामान की निर्धारित कीमत के अनुसार पैसे का हिसाब नहीं दिया, कुल राशि ९,४७,४९७ रूपये का माल संजयभाई को वापस नहीं किया गया और माल का निपटान कर दिया गया. तो उसके खिलाफ सलाबतपुरा थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया. वहीं से आरोपी खुद पकड़े जाने के डर से इधर-उधर भाग रहा था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

मालधारी सेल के पदाधिकारियों ने पार्टी छोड़ी, बीजेपी का दामन थामा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, चुनावों के आने के साथ ही पार्टी परिवर्तन का कार्य भी शुरू हो जाता है. एक और जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला काफ़ी तेजी से चल रहा है. कहीं नेता तो कहीं कार्यकर्ता अपनी मर्जी से एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे हैं. बीते दिनों सूरत में आप और पास के नेताओं ने कार्यकर्ताओ के साथ बीजेपी का दामन थामा था. अब मालधारी सेल के विभिन्न जिलों और क्षेत्रों के पदाधिकारियों ने बीजेपी का दामन थामा है.

आम आदमी पार्टी के पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बाद अभी भी मौजूदा कार्यकर्ताओं का पार्टी छोड़ कर भाजपा में शामिल होने का सिलसिला जारी है. सूरत के कमलम में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में मालधारी सेल के विभिन्न जिलों और क्षेत्रों के पदाधिकारियों ने केसरियो धारण किया. पदाधिकारियों समेत करीब सौ कार्यकर्ताओ ने भी औपचारिक रूप से केसरियो धारण किया. आम आदमी पार्टी में मालधारी सेल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रहे पीयूष देसाई ने कहा कि ''हम अपने मालधारी समुदाय के युवाओं और पार्टी में विभिन्न पदों पर बैठे लोगों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं. हम आम आदमी पार्टी में काम करते थे, लेकिन वहां लोगों की समस्याएं हल नहीं हो रही थीं और इस वजह से आखिरकार हमें आम आदमी पार्टी छोड़नी पड़ी. अब हम बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए हैं. भाजपा के लिए हम तन-मन-धन से काम करेंगे. हमने भाजपा की विचारधारा के कारण इसमें शामिल होने का फैसला किया है.''

बीजेपी ने चुनावी बॉन्ड के नाम पर करोड़ों रूपये जुटाए, वैक्सीन कंपनियों को अरबों रूपये का फायदा करवाया: रचना हीरपारा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, कोरोना काल में वैक्सीन बनाने वाली कंपनी कोविशील्ड ने कोर्ट में माना कि उनकी वैक्सीन से लोगों में साइड इफेक्ट होता है, खून जमे होते हैं. जिसके कारण लोगों में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसी बीमारियाँ हो रही हैं. यह बहस तब शुरूहुई जब लंबे समय से दिल के दौरे पड़ रहे हैं और लोगों की जान जा रही है. संभव है कि कोरोना काल में लिए गए व्यक्ति पर यह विपरीत असर हो, लेकिन इस मामले पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया. आम तौर पर दिल के दौरे के लिए लोगों की जीवनशैली को जिम्मेदार ठहराया जाता था. जब से साइड इफेक्ट की बात सामने आई है तब से वैक्सीन के मुद्दे पर राजनीति गरमा गई है. नगरसेविका और सूरत मनपा विपक्ष दंडक रचना हीरपारा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनावी बांड के नाम पर करोड़ों रूपये एकत्र किए हैं और वैक्सीन कंपनी को अरबों का लाभ पहुंचाया है.

आम आदमी पार्टी नगरसेविका और सूरत मनपा विपक्ष दंडक रचना हीरपारा ने कहा कि नगर पालिका की मासिक आम बैठक में यह मुद्दा उठाया गया था कि टीका लेने के बाद लोगों में दिल का दौरा पड़ने की दर बढ़ गई है, जिसके कारण अनगिनत निर्दोष नागरिकों की मृत्यु हो गई है, इस वैक्सीन की जांच होनी चाहिए. जिसे लेकर सत्ताधारी बीजेपी के सदस्यों ने आवाज उठाई और कहा कि आपको संजीव जैसी ही वैक्सीन पर संदेह है, यह प्रधानमंत्री मोदी का भी अपमान है आदि आरोप मुझ पर लगाए गए.

आप के नगरसेविका ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने चुनावी बॉन्ड के नाम पर करोड़ों रूपये इकट्ठा किए और वैक्सीन कंपनी को अरबों का मुनाफा पहुंचाया. लेकिन क्या वह हमारे प्रधान मंत्री से माफ़ी मांगेंगे जिन्होंने देश के लाखों नागरिकों को अनिवार्य टीके लेने के लिए मजबूर किया? इस वैक्सीन की वजह से देश के नागरिकों की जान खतरे में है. लाखों लोगों ने टीका लिया है, जिससे अनकहे दुष्प्रभाव हुए हैं. कई निर्दोष लोगों की जान गई है, इन सबका जिम्मेदार कौन है? मांग है कि नगर पालिका को विशेषज्ञों की एक विशिष्ट समिति बनाकर इस वैक्सीन मामले की गहन जांच करनी चाहिए.

मतदान के अधिकार के प्रति जागरूकता के लिए कार्यक्रम हुआ

श्यामजी कृष्ण वर्मा प्राथमिक विद्यालय नंबर ११७ में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आगामी लोकसभा चुनाव के तहत गुजरात में ०७ मई २०२४ को मतदान होगा. इसी उद्देश्य से आज सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है. मंगलवार, ३० अप्रैल २०२४ को मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। श्यामजी कृष्ण वर्मा प्राइमरी स्कूल नंबर ११७ में विद्यार्थियों के अभिभावकों को वोट के अधिकार के बारे में जागरूक करने और इसके महत्व को समझाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन इसलिए किया गया ताकि बच्चे भी अभी से इसके प्रति जागरूक हो जाएं और भविष्य में अपने कीमती वोट से देश के एक अच्छे इंसान को चुनकर देश के विकास में सहयोगी बनें. प्रत्येक विद्यार्थी के माता-पिता ने मतदान करने का संकल्प लिया तथा विद्यार्थियों ने मतदान जागरूकता के तहत सहयोग करने का संदेश दिया।

लिंबायत क्षेत्र में हनुमान जयंती और रामनवमी मनाने के बाद, संचालकों ने स्वैच्छिक डिमोलिशन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के विभिन्न इलाकों में टीपी रोड पर जबरन मंदिर और धार्मिक स्थल देखे जा रहे हैं. जिसे हटाने के लिए सूरत नगर निगम द्वारा लंबे समय से अभियान शुरू किया गया है. अलग-अलग क्षेत्र में रोड पर आ रहे धार्मिक स्थलों को हटाने के लिए पहले नोटिस जारी किए जाते है फिर आगे की कार्यवाही की जाती है. इसी प्रकार नगर पालिका ने लिंबायत जोन में सड़क पर बने दो मंदिरों को नोटिस जारी किया था. उत्सव के बाद मंदिर संचालक द्वारा स्वैच्छिक डिमोलिशन का आश्वासन दिया गया था, जिसके बाद मंदिर संचालकों द्वारा स्वैच्छिक डिमोलिशन किया गया.

लिम्बायत क्षेत्र में टीपी रोड पर दबाव राहत कार्य किया गया है. इस कार्यवाही के दौरान लिंबायत जोन क्षेत्र में महाराणा प्रताप सर्कल और लिंबायत में संजय नगर सर्कल में ४५ मीटर रोड पर दो मंदिरों का दबाव आ रहा था. उन्हें नोटिस दिया गया था. मंदिर संचालकों ने मंदिर तोड़ने के लिए कुछ समय मांगा था. समय बीतने के बाद संचालकों द्वारा डिमोलिशन की प्रक्रिया बिना किसी प्रकार के टकराव के पूरी की गई.

सूरत नगर निगम की ओर से पहले ही नोटिस दिया गया था, लेकिन मंदिर संचालकों की ओर से कुछ समय मांगा गया था. हनुमान जयंती और रामनवमी के बाद उन्होंने स्वैच्छिक डिमोलिशन का आश्वासन दिया था. इसलिए लिंबायत जोन के अधिकारियों ने दोनों मंदिरों के संचालकों को समय दिया था. हनुमान जयंती सहित सभी त्योहारों के समापन के बाद सूरत नगर निगम की लिंबायत जोन टीम द्वारा दोनों मंदिरों के संचालकों के साथ स्वैच्छिक डिमोलिशन कार्य किया था.

सूरत में १ करोड़ की एमडी ड्रग्स की डील से पहले छापेमारी, छापेमारी का सीसीटीवी विडियो भी सामने आया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, लोकसभा आम चुनाव-२०२४ के निर्देशों के मुताबिक देश में १६ मार्च २०२४ से आदर्श आचार संहिता लागू है. देश की सभी प्रवर्तन एजेंसियां नशीली दवाओं की प्रतिबंधित सामग्रियों को जब्त करने के लिए पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर हैं. पिछले कुछ दिनों से गुजरात के समुद्र से करोड़ों रूपये की ड्रग्स पकड़ी जा रही है और लगातार छापेमारी भी की जा रही है. इन सब के बीच सूरत शहर में भी एक करोड़ की ड्रग्स की डील से पहले छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान एक्टिवा और बाइक पर १ किलो नशीला पदार्थ लेकर आ रहे आरोपी ऐसे भागे जैसे पकड़े जाने से पहले उन्होंने इसका आभास हो गया हो. आरोपियों के भागने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. पुलिस ने दोनों फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पीछा किया लेकिन भागने में सफल रहे. हालांकि, पुलिस ने नशीली दवाओं की मात्रा जब्त कर ली है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई शुरूकर दी है.

जानकारी के मुताबिक, सूरत एसओजी-पीसीबी पुलिस की टीम ने लालगेट इलाके से १ करोड़ कीमत की उच्च शुद्धता वाली १ किलो मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है. सूरत एसओजी-पीसीबी पुलिस टीम को सूचना मिली कि लालगेट इलाके में आरोपी मोहम्मद कासिफ इकबाल उर्फ पसीना शेख और शहबाज इरशाद हुसैन खान नाम के दो व्यक्तियों के बीच ड्रग की बड़ी डील होने वाली है. जिसके चलते पुलिस ने लालगेट लालमिया मस्जिद के सामने मदरसा इस्लामिया सूफीबाग शाखा के आसपास निगरानी लगा रखी थी और दो व्यक्तियों के बीच नशीली दवाओं का लेनदेन हो रहा था. इसी बीच पुलिस ने वहां छापा मारा, लेकिन इससे पहले कि पुलिस उन्हें पकड़ पाती, दोनों युवक मोपेड और नशीली दवाओं से भरा बैग फेंककर मौके से भाग गए. पुलिस ने जब बैग की जांच की तो उसमें १ करोड़ रूपये कीमत की १ किलो मेफेड्रोन ड्रग्स मिली.

जब पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए उनका पीछा किया तो पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. जिसमें देखा जा सकता है कि दोनों आरोपी भाग रहे हैं और पुलिस टीम उन्हें पकड़ने के लिए पीछे दौड़ रही है. हालांकि पुलिस को घटनास्थल पर जो बैग मिला उसमें एमडी ड्रग्स का कच्चा माल था. इसलिए जांच के लिए एफएसएल टीम को वहां बुलाया गया. एफएसएल समेत प्रयोगशाला से जांच के बाद यह पदार्थ उच्च शुद्धता वाला एमडी ड्रग्स निकला. पुलिस को ड्रग्स, ३ मोबाइल, २ गाड़ी और एक संगठन का आई कार्ड मिला और कुल १.३० करोड़ रूपये जब्त किए गए. इस मामले में लालगेट थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जाँच शुरूकर दी गई है.